प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट के एटकोट में नवनिर्मित मातृश्री के.डी.पी. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 165 दिनांक:29-05-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

गुजरात के पास पहली बार तो राजस्थान के पास दूसरी बार चैंपियन बनने का सुनहरा मौका

मातृभूमि की सेवा में नहीं छोड़ी कसर इन 8 सालों में नहीं झुकने दिया सिरः पीएम मोदी

राजकोट (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजकोट के एटकोट में नवनिर्मित मातृश्री के.डी.पी. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा, ठमुझे खुशी है कि आज यहां मातृश्री मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ हुआ। ये अस्पताल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगा। जब सरकार के प्रयास में जनता का प्रयास जुड़ जाता है तो सेवा करने की हमारी शक्ति भी बढ़ जाती है, राजकोट में बना ये अस्पताल इसका बड़ा उदाहरण है। गुजरात की धरती पर आया हूं तो मैं सिर झुकाकर गुजरात के सभी नागरिकों का आदर करना चाहता हूं। आपने मुझे जो संस्कार और शिक्षा दी, समाज के लिए जीने की बातें सिखाई, उसकी की बदौलत मैंने मातृभूमि की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इस मंत्र पर चल कर हमने देश के विकास को एक नई गति दी है। इन 8 सालों में हमने पूज्य बापू और सरदार पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं।ठ मोदी ने कहा, ठगरीबों की सरकार होती है तो कैसे उसकी सेवा करती है, कैसे सशक्त करने के लिए काम करती है, ये आज पूरा देश देख रहा है।100 साल के सबसे बड़े संकट काल में भी देश ने ये लगातार अनुभव किया है। महामारी शुरु हुई तो गरीब के सामने खाने-पीने की समस्या हुई, तो हमने देश के अन्न भंडार खोल दिए। हमारी माताएं-बहनें सम्मान से जी सकें इसके लिए हमने उनके जन धन बैंक खाते में सीधे पैसे जमा किए। किसानों और मजदूरों के बैंक खाते में पैसे जमा किए। हमने मुफ्त गैस सिलेंडरों की भी व्यवस्था की ताकि गरीब के घर की रसोई हमेशा चलती रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार राष्ट्रीय सेवा के 8 साल पूरे कर रही है। इन वर्षों में हमने गरीब की सेवा, सुशासन और गरीब के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए हमने देश के विकास को नई गति दी है। हमारी सरकार सुविधाओं को शत प्रतिशत नागरिकों तक पहुंचाने के लिए अभियान चला रही है। जब हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य होता है तो भेदभाव भी खत्म होता है, भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं होती। पीएम मोदी ने कहा, ठजब हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य होता है तो भेदभाव भी खत्म होता है, भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं रहती, ना भाई-भतीजावाद रहता है ना जात-पात का भेद रहता है। इसलिए हमारी सरकार मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने में जी जान से जुटी हुई है।

मोदी का उद्देश्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का सफाया करनाः कुमारस्वामी

बेंगलुरू (ईएमएस)। जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि परिवार द्वारा चलाए जा रहे दलों की आलोचना करना महज एक बहाना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का सफाया करना है। पूर्व मुख्यमंत्री हाली ही में हैदराबाद में प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिवारवादी देश में लोकतंत्र के सबसे बड़े दुश्मन हैं। कुमारस्वामी ने कहा ?कि परिवार द्वारा चलाए जा रहे दल देश और युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। यह राजनीति की भी सबसे बड़ी समस्या है, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नया उपदेश है। उन्हें भाजपा की वृद्धि की पृष्ठभूमि का वास्तविक अध्ययन करना चाहिए और फिर भाषण देना चाहिए। उन्होंने ट्वीट कर कहा ?कि यह अब कोई रहस्य नहीं है कि भाजपा ने क्षेत्रीय दलों के खात्मे के लिए क्या किया है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने 424 वीआईपी लोगों की सुरक्षा वापस ली

चंडीगढ़ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य में 424 लोगों को दी गई सुरक्षा वापस ले ली है। जिन लोगों की सुरक्षा हटाई गई है, उनमें कई सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, धर्मगुरु और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं।इससे पहले अप्रैल में पंजाब सरकार ने पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों और अन्य नेताओं सहित 184 लोगों की सुरक्षा वापस लेने का आदेश दिया था।

गौरतलब है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कैप्टन अमरिंदर सिंह के बेटे रनिंदर सिंह और कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा की पत्नी के परिवार की सुरक्षा पिछले महीने वापस ले ली गई है। सुरक्षा को वापस लिए जाने का एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि पंजाब पुलिस पहले से ही कर्मचारियों की कमी से जूझ रही है। ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आम स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की कमी को पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

पंजाब में सुरक्षा और पुख्ता करने के लिए लगभग 2,000 अतिरिक्त अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया जाएगा, क्योंकि नियमित तौर पर ऐसी जानकारी मिल रही है कि कुछ तत्व राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद यह बात कही, जिन्होंने उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मान ने कहा कि गृहमंत्री ने उनसे कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, यह दलगत राजनीति से ऊपर है और केंद्र सरकार पंजाब सरकार को हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

केरल में मानसून ने समय से पहले नहीं दी दस्तक

नई दिल्ली (ईएमएस)। केरल में मानसून के आगमन में विलंब हो गया है। मौसम विभाग ने कहा था कि इस बार मानसून एक जून की बजाय 27 मई को ही केरल में दस्तक दे देगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विभाग का कहना है कि विलंब से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मौसम विभाग ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि केरल में मानसून के आगमन के अनुकूल स्थितियां बनी हुई हैं तथा दो-तीन दिनों के भीतर मानसून वहां दस्तक दे सकता है।इसका मतलब यह हुआ कि अब 29-30 मई को मानसून आ सकता है। केरल में मानसून के पहुंचने की सामान्य तिथि वैसे 1 जून है। इसलिए 27 मई को मानसून के दस्तक नहीं देने के बावजूद इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। विभाग ने कहा कि मानसून दक्षिण अरब सागर, मालदीव, लक्षदीव के आसपास के इलाकों में सक्रिय है तथा इसके आगे बढ़ने के लिए अनुकूल स्थितियां बनी हुई हैं। बता दें कि केरल में मानसून की दस्तक के बाद यह धीरे-धीरे आगे बढ़ता है तथा 27 जून तक दिल्ली पहुंचता है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में 29 मई तक बारिश का अनुमान लगाया है। 30 और 31 मई को फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ में ओलावृष्टि, गर्जना और आकाशीय बिजली चमकने के बारिश और 40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। खराब मौसम के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। 29 को भी उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले स्थानों में बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। मौसमविदों के मुताबिक अगले दो तीन दिनों में राज्य में कई जगहों पर अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। पूरे सूबे में अभी पुरवा और दक्षिण पुरवा हवाओं का प्रवाह बना हुआ है। वातावरण में इन हवाओं की वजह से नमी है, जिसके कारण धूप की चुभन भी बढ़ गई है।

उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर पांच सदस्यों की ड्राफ्टिंग कमेटी गठित

देहरादून (ईएमएस)। उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए उच्चतम न्यायालय की एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर दी। सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने की दिशा में कदम उठाते हुए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पांच सदस्यीय उच्च समिति की अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई होंगी। धामी ने कहा ?कि देवभूमि की संस्कृति को संरक्षित करते हुए सभी धार्मिक समुदायों को एकरूपता प्रदान करने के लिए समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन हेतु विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। फरवरी में विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी चरण में धामी ने कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आयी तो प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। प्रदेश में दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ भाजपा के सत्ता में वापसी करने के बाद दोबारा मुख्यमंत्री बने धामी ने मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही समान नागरिक संहिता के लिए ड्राफट तैयार करने हेतु एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्णय लिया था।

वरुण गांधी फिर अपनी ही सरकार पर बरसे

पीलीभीत (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी एक बार फिर से अपनी ही सरकार पर निशाना साधा है इस बार वरुण गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर अपनी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं देश में महंगाई के बाद सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है इसपर वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर विपक्ष तो सरकार पर हमलावर है ही, अब बीजेपी सांसद ने भी अपनी ही सरकार से बेरोजगारी को लेकर सवाल पूछा है बीजेपी सासंद वरुण गांधी ने केंद्र में विभिन्न विभागों समेत सेना, पुलिस, स्वास्थ्य आदि विभागों में खाली पड़े पदों की संख्याओं को लेकर ट्वीट किया उन्होंने कहा, ठजब बेरोजगारी 3 दशकों के सर्वोच्च स्तर पर है तब यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं जहां भर्तियां न आने से करोड़ों युवा हताश व निराश है, वहीं 'सरकारी आंकड़ों' की ही मानें तो देश में 60 लाख 'स्वीकृत पद' खाली हैं कहां गया वो बजट जो इन पदों के लिए आवंटित था? यह जानना हर नौजवान का हक है बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने हमेशा से ही सरकारक की गलत नीतियों को लेकर सवाल खड़े करते रहे हैं चाहे फिर वो उनकी अपनी ही पार्टी की सरकार क्यों न हो इस बार उन्होंने केंद्र की अपनी बीजेपी सरकार को देश में स्वीकृत पड़े सरकारी पदों पर भर्ती नहीं निकालने की मंशा को लेकर सवाल दागा है वरुण गांधी ने देश में खाली पड़े सरकारी पदों के लेकर सीधे केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है आपको बता दें कि इससे पहले भी वह अपनी ही सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं कुछ दिन पहले ही पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने यूपी की योगी सरकार की ओर से राशनकार्ड धारकों के लिए तय की गई पात्रता को लेकर सवाल उठाए थे उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले सारे मानक अगर चुनाव देख कर तय किए जाएंगे तो सरकारें अपनी विश्वसनीयता खो देंगी उन्होंने अपनी सरकार से सवाल पूछते हुआ कहा कि, चुनाव खत्म होते ही राशनकार्ड खोने वाले करोड़ों देशवासियों की याद सरकार को अब कब आएगी शायद अगले चुनावों में

सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस ने बताया कि अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के शितिपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलायीं और जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकवादी हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े थे।

उन्होंने ट्वीट किया है, ''मारे गए आतंकवादियों की पहचान अनंतनाग के चाकवानगुंड निवासी इश्फाक अह गनी और अवंतीपुरा के डोगरीपुरा निवासी यावर अयूब डार के रूप में हुई है। दोनों प्रतिबंधित संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के सदस्य थे। वे कई आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त रहे थे। ''

मोदी सरकार नयी नौकरियां देने में नहीं, बल्कि बची हुई नौकरियां छीनने में सक्षम - राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय रेल में गैर संरक्षा श्रेणी के 91 हजार से अधिक पदों पर भविष्य में कभी भर्ती नहीं होने के दावे वाली खबर का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार नयी नौकरियां देने में नहीं, बल्कि बची हुई नौकरियां छीनने में सक्षम है।

राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''मोदी सरकार नई नौकरियां देने में तो नहीं ,लेकिन बची हुई नौकरियां छीनने में ज़रूर सक्षम है। याद रहे, यही युवा आपके सत्ता के घमंड को तोड़ेगा। इनके भविष्य को बर्बाद करना, इस सरकार को महंगा पड़ेगा।''

देश की 32 शराब ब्रांड 820 करोड़ रुपये में बिकेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में 32 शराब ब्रांड अब बिकने जा रही है। इनमें हेवर्ड्स, ओल्ड टैवर्न, व्हाइट-मिसचीफ, हनी बी, ग्रीन लेबल और रोमानोव शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी शराब कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड इन ब्रांड्स को सिंगापुर की कंपनी इनब्रू को बेचने वाली है। यह डील 820 करोड़ रुपये की होगी। इस डील के तहत इन ब्रैंड्स का पूरा बिजनेस सिंगापुर की कंपनी को सौंपा जाएगा। इनमें संबंधित अनुबंध, परमिट, बौद्धिक संपदा अधिकार, संबद्ध कर्मचारी और एक निर्माण सुविधा शामिल हैं। इसके साथ ही दोनों कंपनियों ने 11 अन्य ब्रांड्स के लिए पांच साल की फ्रैंचाइजी की व्यवस्था भी की है। इनमें बैगपाइपर और ब्लू रिबन शामिल हैं।

यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड कंपनी का फोकस प्रीमियम ब्रैंड्स पर है। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ब्रिटिश कंपनी डियाजियो की सहायक कंपनी है। डियाजियो ने इसे शराब कारोबारी विजय माल्या से खरीदा था।

इनब्रू भारतीय उद्यमी रवि देओल की कंपनी है। पिछले साल उसने अमेरिकी कंपनी मोल्सन कूर्स की भारतीय इकाई को 1,000 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके तहत कंपनी ने मोल्सन कूर्स के भारतीय बीयर ब्रांड थंडरबोल्ट को खरीदने के साथ-साथ मिलर, ब्लू मून, कार्लिंग और कोबरा ब्रांड को भारत में बेचने और वितरित करने का अधिकार हासिल कर लिया। देओल ने कहा कि कंपनी को यूनाइटेड स्पिरिट्स के जाने-माने ब्रांड खरीदने से फायदा होगा। दोनों कंपनियों के बीच सौदा 30 सितंबर, 2022 को समाप्त तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। यूएसएल की बिक्री 2021-22 में मूल्य के संदर्भ में 19 प्रतिशत और मात्रा के संदर्भ में 12 प्रतिशत बढ़ी है। कंपनी के प्रीमियम खंड में बिक्री में 24 प्रतिशत और लोकप्रिय खंड में आठ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

देश में नफरत का बाजार सजाया जा रहा, आग से आग नहीं बुझाई जाती-मौलाना मदनी

सहारनपुर (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े इस्लामिक शिक्षा के इदारे देवबंद दारुल उलूम में शनिवार का जमीयत उलमा-ए-हिंद के तत्वाधान में दो दिवसीय अधिवेशन शुरु हुआ। अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि देश में नफरत का बाजार सजाया जा रहा है। लेकिन हमें यह याद रखना है कि आग से आग को नहीं बुझाया जा सकता है। प्यार से नफरत को हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में नफरत का कारोबार करने वालों की दुकानें ज्यादा दिन चलने वाली नहीं हैं।

देवबंद के ईदगाह मैदान में आयोजित कार्यक्रम में देशभर के उलेमा और गवर्निंग बॉडी के सदस्य प्रमुख समस्याओं को लेकर चिंतन करने के लिए एकत्र हुए हैं। इजलास का शुभारंभ जमीयत उलमा-ए-हिंद का झंडा लहरा कर किया गया है। तिलावत-ए-कुरान पाक दारूल उलूम के उस्ताद कारी अब्दुल रउफ ने की और नात-पाक कारी अहसान मोहसिन ने पेश की। जमीयत प्रमुख मौलाना महमूद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दारुल उलूम के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम, जमीयत उलमा हिंद पश्चिम बंगाल अध्यक्ष और ममता सरकार में मंत्री मौलाना सिद्दीकउल्ला चैधरी, सांसद मौलाना बदरूद्दीन अजमल और सभी प्रदेशों के अध्यक्षों सहित देशभर के उलमा शामिल हुए। दो दिनों तक चलने वाले इस इजलास में देश के मौजूदा हालात और ज्ञानवापी मस्जिद समेत देश में विभिन्न धार्मिक स्थलों को लेकर बढ़ रहे विवाद, कॉमन सिविल कोड, मुस्लिम वक्फ एवं मुस्लिमों की शिक्षा आदि मुद्दों पर चर्चा होनी है।

जमीयत उलमा-ए-हिंद के दो दिवसीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि हमें मायूस होने की जरूरत नहीं है, देश हमारा है और हमारे बुजुर्गों ने इस देश को आजाद कराने में मुख्य भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आग से आग को नहीं बुझाया जा सकता है। प्यार से ही नफरत को हराया जा सकता है। कहा कि हमें उकसाया जा रहा है। हमारे ही देश में हमें अजनबी बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेइज्जत होकर खामोश रहना कोई मुसलमान से सीखे। देश में नफरत का बाजार सजाया जा रहा है। ये सब्र का इम्तिहान है। उन्होंने कहा कि सरकारें आने-जाने वाली चीज है, लेकिन देश को जोड़ने वाले और मजबूत करने वाले ही इस देश की ताकत है।

उन्होंने इशारों ही इशारों में सरकार और आरएसएस पर हमला बोलते हुए कहा कि एकता और अखंड भारत की बात करने वाले वर्ग विशेष को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें सबसे ज्यादा प्यार इस देश की शांति से है। सभी लोग राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र को मजबूत करने की बात करते हैं लेकिन नफरत के मुद्दे पर खामोश रहते हैं। उन्होंने कहा कि नफरत की दुकान खोलने वाले और नफरत का बाजार सजाने वाले लोग देश के दुश्मन हैं। नफरत का जवाब कभी नफरत नहीं हो सकता, हम नफरत का जवाब मोहब्बत से देने वाले लोग हैं। देश में फैल रही नफरत को मोहब्बत से बचाने की जरूरत है। मौलाना मदनी ने कहा कि हम नफरत का जवाब नफरत से दे सकते हैं, लेकिन देश का मुसलमान कभी ऐसा नहीं करेगा। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि हम धार्मिक स्थलों और इबादतगाहों के संरक्षण के लिए प्रस्ताव लाएंगे और प्रस्ताव लाकर बात रखेंगे और फिर पीछे नहीं हटेंगे। देश को गलत रास्ते पर जाने से रोकने के लिए एक नए हौंसले और नए खून की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम वह नहीं करेंगे जो वह चाहते हैं, हम वह करेंगे जो समय की जरूरत होगी, हम अपनी प्लानिंग से चलेंगे आपकी प्लानिंग पर हम नहीं चलेंगे।

देश भर में अब तक 193.13 करोड़ कोविड टीके लगाए, 24 घंटों में 2,685 नए केस सामने आए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 193.13 करोड़ (1,93,13,41,918) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,44,45,929 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 3.36 करोड़ (3,36,37,974) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल, 2022 को प्रारंभ की गई थी। भारत में सक्रिय मामले आज 16,308 हैं। सक्रिय मामले, कुल पॉजिटिव मामलों के 0.04 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 2,158 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 4,26,09,335 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,685 नए मामले सामने आएं। पिछले 24 घंटों में कुल 4,47,637 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 84.93 करोड़ से अधिक (84,93,24,833) जांच की गई हैं। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.54 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.60 प्रतिशत है।

क्रूज ड्रग्स केस में एनसीबी की जांच पर वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम ने उठाए सवाल, कहा- जज कैसे बन सकती है एजेंसी?

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में क्रूज ड्रग्स केस को लेकर वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम ने कई सवाल खड़े किए हैं. वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम का कहना है कि फिल्म अभिनेता शाहरुख़ खान के बेटे आर्यन खान को क्लीन चिट देने के बाद एनसीबी की जांच पर सवाल उठते हैं. साथ ही जिस तरह मामले की जांच हुई अगर कानून की नजर से देखें तो ये ऑब्जेक्शनेबल है. दरअसल, एनसीबी ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को मुंबई से गोवा जा रहे क्रूज पर ड्रग्स मिलने के मामले में शुक्रवार को क्लीन चिट दे दी. वकील उज्जवल निकम ने इसी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि, जज का रोल जांच एजेंसी कैसे अदा कर सकती है? उन्होंने सवाल करते ये भी पूछा कि, एनसीबी की एसआईटी टीम को कोर्ट का निर्णय देने का अधिकार है? वकील ने ये भी कहा कि, जांच में गलतियां कैसे हुई ये भी देखने का विषय है. आपको बता दें कि मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को क्लीन चिट दी गई है. एनसीबी की तरफ से शुक्रवार को दायर चार्जशीट में आर्यन खान का नाम शामिल नहीं है. केवल 14 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है, आर्यन समेत 6 लोगों को सबूत न मिलने के कारण छोड़ दिया गया है.

- पिछले साल आर्यन खान को किया था गिरफ्तार

ज्ञात हो कि आर्यन खान को मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में सिलसिले में पिछले साल गिरफ्तार किया गया था. मामले में आर्यन खान के अलावा 19 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था. दो को छोड़कर सभी आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं. एनसीबी ने एक बयान में कहा 'गुप्त सूचना के आधार पर एनसीबी-मुंबई ने 2 अक्टूबर, 2021 को विक्रांत, इश्मीत, अरबाज, आर्यन और गोमित को इंटरनेशनल पोर्ट टर्मिनल, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट पर जबकि नूपुर, मोहक और मुनम को कॉर्डेलिया क्रूज पर पकड़ा था. आर्यन और मोहक को छोड़कर सभी आरोपियों पास से मादक पदार्थ मिले थे.' एनसीबी ने कहा, 'शुरुआत में, एनसीबी-मुंबई ने मामले की जांच की. बाद में, मामले की जांच के लिये नयी दिल्ली में एनसीबी मुख्यालय की तरफ से संजय कुमार सिंह, डीडीजी (संचालन) की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया. 11 नवंबर, 2021 को मामले की जांच एसआईटी ने अपने हाथ में ले ली थी.'

कार्टून कोना

अमरनाथ बाबा जाने वाले हर तीर्थयात्री को लेना होगा आरएफआईडी टैग, 3 लेयर सुरक्षा में रहेगी पूरी यात्रा

श्रीनगर (ईएमएस)। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने शनिवार को ऐलान किया है कि बिना आरएफआईडी टैग के किसी यात्री को अमरनाथ यात्रा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतीशवार कुमार ने कहा- श्राइन बोर्ड ने इस साल आरएफआईडी टैग की प्रणाली शुरू की है।

इस टैग के साथ हम हर तीर्थयात्री की पोजिशन ट्रेक कर सकेंगे कि वह कहां हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापारी भी आरएफआईडी टैग ले रहे हैं। बिना आरएफआडी टैग के किसी को यात्रा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा।

गौरतलब है कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने इस साल अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा चाक चौबंद करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें तीर्थयात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए सभी एजेंसियों को आपस में बेहतर तालमेल रखने को कहा। पुलिस मुख्यालय में अमरनाथ यात्रा को लेकर पुलिस, सेना और केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक में यात्री शिविर में सुरक्षा, संचार नेटवर्क, राष्ट्रीय राजमार्ग और दूसरी सड़कों पर यातायात प्रबंधन के नियमन, गाड़ियों की पार्किंग और पहलगाम और बालटाल के दोनों रास्तों पर सुरक्षाबलों की तैनाती आदि पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि पुलिस अलग-अलग जगहों पर रेस्क्यू टीम को तैनात करेगी ताकि यात्रा के दौरान किसी भी तीर्थ यात्री की जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद की जा सके।

57 सीटों पर दंगल बीजेपी -कांग्रेस को कितनी-कितनी जानें हर राज्य का हिसाब-किताब

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा की 57 सीटों पर 10 जून को चुनाव होने वाले हैं। 31 मई को नामांकन की आखिरी तारीख है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के 25 सांसद रिटायर हो रहे हैं। इनमें से सिर्फ 22 सीटों पर भगवा पार्टी की वापसी होती दिख रही है। आपको बता दें कि सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 11 सीटें हैं। यहां बीजेपी के बल्ले-बल्ले है। सात सीटें खाते में आने वाली हैं।

उत्तर प्रदेशः यहां 11 सीटों के लिए चुनाव होंगे। इनमें से सात सीटें बीजेपी के खाते में जाती दिख रही हैं। वहीं, तीन सीटों पर समाजवादी पार्टी गठबंधन के उम्मीदवार राज्यसभा पहुंचेंगे। इनमें कपिल सिब्बल और जयंत चौधरी सरीखे नाम शामिल हैं। विधायकों की संख्या को देखते हुए एक सीट पर वोटिंग की नौबत आ सकती है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में एक राज्यसभा सांसद के लिए 34 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता होती है।

उत्तराखंडः पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में इस चुनाव में राज्यसभा की सिर्फ एक सीट है, जो कि भाजपा के खाते में जाएगी। यहां 36 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

पंजाबः बॉर्डर स्टेट पंजाब में राज्यसभा की दो सीटों पर चुनाव होंगे। दोनों ही सीटें आम आदमी पार्टी के खाते में जाएगी। यहां 40 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

हरियाणाः हरियाणा में भी राज्यसभा की दो सीटें हैं। 31 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है। भाजपा और कांग्रेस एक-एक सीटें जीत सकती है। कांग्रेस के असंतोष को देखते हुए दोनों ही भाजपा के खाते में भी जा सकती है।

राजस्थानः राजस्थान में राज्यसभा की कुल 4 सीटें हैं, जिनपर चुनाव होने हैं। यहां 2 सीटें सीधे तौर पर कांग्रेस के खाते में जाएगी। वहीं, एक भाजपा के खाते में। यहां एक सीट के लिए 41 विधायकों की आवश्यक्ता है। इसे देखते हुए एक सीट के लिए वोटिंग की नौबत आ सकती है।

मध्य प्रदेशः यहां एक सीट के लिए 76 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है। एमपी में राज्यसभा की कुल तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से दो बीजेपी और एक कांग्रेस जीत सकती है।

महाराष्ट्रः इस राज्य में 6 सीटों पर चुनाव होने हैं। राज्यसभा की एक सीटे के लिए 42 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है। महाराष्ट्र में तीन सीटें महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के खाते में जाती दिख रही है। दो पर भाजपा जीत सकती है। इसके अलावा एक सीट पर चुनाव की नौबत आएगी।

कर्नाटकः भाजपा शासित कर्नाटक में राज्यसभा की 4 सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। इनमें से दो बीजेपी और एक कांग्रेस को जाती दिख रही है। चौथी सीट पर पेच फंसा हुआ है।

तमिलनाडुः यहां राज्यसभा की 6 सीटों के लिए चुनाव होंगे। यहां एक सीट के लिए 41 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है। इस राज्य में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन 4 सीटें जीतती दिख रही है। कांग्रेस को डीएमके अपने खाते से एक सीट देगी। वहीं, दो विपक्षी पार्टी को जाती दिख रही है।

तेलंगानाः तेलंगाना में सिर्फ 2 सीटों पर चुनाव होंगे। दोनों ही सीटें टीआरएस जीत सकती है।

आंध्र प्रदेशः यहां भी दोनों सीटें सत्तारूढ़ एसआर के खाते में जाएगी। यहां एक सीट के लिए 36 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है।

ओडिशाः बीजेडी यहां सभी तीन सीटें जीतती दिख रही है। आपके बता दें कि राज्यसभा की एस सीट के लिए 38 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है।

छत्तीसगढ़ः कांग्रेस पार्टी यहां की दोनों राज्यसभा सीटों पर कब्जा कर सकती है। यहां 31 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

बिहारः नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। इनमें से तीन बीजेपी-जेडीयू के खाते में जाती दिख रही है। वहीं, दो पर आरजेडी को जीत मिलती दिख रही है। यहां एक सीट के लिए 41 विधायकों की आवश्यक्ता है।

झारखंडः यहां राज्यसभा की कुल दो सीटों पर चुनाव हैं। यहां एक जेएमएम और एक बीजेपी जीत सकती है। यहां 27 विधायकों के समर्थन की आवश्यक्ता है।

जन हितैषी

लुप्त हो रहे जीव

वनस्पति और जीव-जंतु ही धरती पर बेहतर और जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं। वन्य जीव चूंकि हमारे मित्र भी हैं, इसलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। अब तक के शोधों से यह सामने आ चुका है कि धरती का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद खराब हो चुका है। मानवीय दखल से दूर रहने के कारण और स्थानीय जनजातीय लोगों की भूमिका की वजह से सिर्फ तीन फीसद हिस्सा ही सुरक्षित रह गया है। ब्रिटेन स्थित स्मिथसोनियन एनवायरनमेंटल रिसर्च सेंटर के मुताबिक विश्व के केवल 2.7 फीसद हिस्से में ही अप्रभावित जैव विविधता बची है, जो बिल्कुल वैसी ही है जैसी पांच सौ वर्ष पूर्व हुआ करती थी। इन क्षेत्रों में सदियों पहले जो पेड़-पौधे और जीव पाए जाते थे, वे प्रजातियां आज भी हैं। जो अप्रभावित जैव विविधता वाला क्षेत्र बचा है, वह भी जिन-जिन देशों की सीमाओं के अंतर्गत आता है, उनमें से केवल 11 फीसद क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। अप्रभावित जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से अधिकांश इलाके उत्तरी गोलार्ध में आते हैं, जहां मानव उपस्थिति कम रही है, लेकिन अन्य क्षेत्रों के मुकाबले ये जैव विविधता से समृद्ध नहीं थे। धरती पर जैव विविधता के अस्तित्व पर मंडराते संकट को लेकर शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश प्रजातियां मानव शिकार के कारण लुप्त हुई हैं, जबकि कुछ अन्य कारणों में दूसरे जानवरों का हमला और बीमारियां शामिल हैं। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ क्राइम रिपोर्ट 2020 के मुताबिक वन्यजीवों की तस्करी भी दुनिया के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा बन कर उभरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वाधिक तस्करी स्तनधारी जीवों की होती है। वन्यजीव तस्करी में 22 फीसद तस्करी के मामले रेंगने वाले जीवों के और दस फीसद पक्षियों के होते हैं। जबकि पेड़-पौधों की तस्करी का हिस्सा 14.3 फीसद है। इंटरनेशनल यूनियन फार कंजर्वेशन आफ नेचर (आईयूसीएन)की वर्ष 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में वन्यजीवों और वनस्पतियों की हजारों प्रजातियां संकट में हैं और आने वाले वक्त में इनके विलुप्त होने की संख्या और दर अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। पक्षियों की प्रजातियों की संख्या में गिरावट को भारत के संदर्भ में देखें तो भारत में जहां 14 फीसद प्रजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है, वहीं छह फीसद प्रजातियों की संख्या स्थिर है, जबकि 80 फीसद प्रजातियां कम हुई हैं। इनमें से 50 फीसद प्रजातियों की संख्या में भारी गिरावट और 30 फीसद प्रजातियों में कम गिरावट दर्ज की गई है। सालाना पक्षी गणना में प्रतिवर्ष पक्षियों की संख्या और विविधता में गिरावट आ रही है, जिसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और जंगलों का कटना है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में पक्षियों पर हुए शोध के नतीजे भी चौंकाने वाले हैं। वहां वन क्षेत्रों में मानवीय दखल, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ते प्रदूषण के कारण पक्षियों की संख्या में 60 से 80 फीसद तक की कमी आई है। देहरादून स्थित सेंटर फॉर इकोलाजी, डवलपमेंट एंड रिसर्च (सेडार) और हैदराबाद स्थित सेंटर फार सेल्युलर एंड मालिक्यूलर बायोलाजी के शोधकर्ता यह साझा शोध वर्ष 2016 से हिमालय के ऊंचाई वाले इलाकों में कर रहे हैं।

मोदी की कथनी और करनी में गजब की समानता

जब कोई व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्म पथ पर अग्रसर होता है तो विश्व समुदाय उसका अनुगामी हो जाता है। इस दायरे में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रखा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसा लगता है कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में ऐसी पहली सरकार बनी है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, इसके विपरीत इसके पूर्ववर्ती सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार के अनेक दाग लगे। भारत की जनता ने इस बात की उम्मीद ही छोड़ दी थी कि अब भारत में भ्रष्टाचार कभी समाप्त होगा, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार ने इस धारणा को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसी बड़ी लकीर खींचने का अहर्निश साहस दिखा रहे हैं, जिसकी देश को दशकों से आवश्यकता थी। वर्षों तक विदेशों के समकक्ष दायित्व वालों के पीछे रहने वाला भारत आज उनके साथ गौरव के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। जो कहीं न कहीं भारत की शक्ति को प्रकट कर रहा है।

अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं पत्थर पर लकीर खींचता हूं, मक्खन पर नहीं। यह पंक्ति भले ही एक कहावत के तौर पर प्रचलित है, लेकिन इसके भावार्थ बहुत ही गहरे हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने जो कार्य किए हैं, वह आज मील के पत्थर के तौर पर स्थापित हुए हैं। वह चाहे तीन तलाक का मामला हो या फिर जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के हटाने का मामला ही क्यों न हो, राजनीतिक दलों ने देश का जनमानस ऐसा बना दिया था कि इसके बारे में बात करने से भी पसीने छूट जाते थे। इतना ही नहीं जो राजनीतिक दल इसका राजनीतिक और आर्थिक लाभ उठा रहे थे, उन्होंने भी देश में इस प्रकार का डर का वातावरण पैदा किया कि धारा 370 को हटाने के बाद देश में गृह युद्ध के हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन यह केवल बातें ही सिद्ध हुईं। कौन नहीं जानता कि जम्मू कश्मीर में राजनीति करने वाले फारुक अबदुल्ला और मेहबूबा मुफ्ती ने किस प्रकार की भाषा बोली। उनकी वाणी से हमेशा यही प्रतीत होता था कि वह पाकिस्तान परस्त भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा था कि कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि तिरंगा कोई सामान्य कपड़ा नहीं है, जिसको उठाने की आवश्यकता हो। तिरंगा तो इस देश की आन बान और शान का प्रतीक है। इसके बारे में इस प्रकार की धारणा रखना, निश्चित ही देश भाव के साथ मजाक ही है। इस प्रकार भाषा पाकिस्तान के किसी व्यक्ति द्वारा बोली जाती तो समझ में आता है, लेकिन हमारे भारत के मुकुटमणि के बारे में ऐसा बोलना निश्चित ही देशद्रोहिता ही कही जाएगी। अब जम्मू कश्मीर में सुखद बयी की अनुभूति कराने वाला दृश्य एपस्थित हो रहा है। जो मोदी सरकार की एक बड़ी लकीर के रूप में प्रमाणित हो रहा है।

इसी प्रकार लम्बे समय से निर्णय की प्रतीक्षा करते हुए राम मंदिर का मामला भी मोदी जी के कार्यकाल में सुखद परिणाम देने वाला रहा। वास्तविकता में इस मामले का हल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निकाला गया, लेकिन इसका श्रेय मोदी सरकार के कार्यकाल को ही दिया जा सकता है। यह सारे मामले वास्तव में पत्थर पर लकीर खींचने जैसे ही कहे जा सकते हैं। इसी कारण देश की जनता उनके इन साहसिक निर्णयों के साथ जुड़ती जा रही है। जबकि विपक्षी राजनीतिक दलों की कार्य संस्कृति के चलते जनता इतनी दूर हो गई है कि उनको अपने भविष्य को बचाने के लिए राजनीतिक चिंतन और मंथन की आवश्यकता होने लगी है। हम जानते हैं कि अभी हाल ही में कांग्रेस ने सत्ता पाने की चाह में राजस्थान के उदयपुर में चिंतन किया, जो वास्तव में ढाक के तीन पात वाला ही सिद्ध हुआ। यह वास्तविकता ही है कि कांग्रेस ने जिस प्रकार से मुस्लिम और ईसाई तुष्टिकरण का कार्य किया, उसके कारण निश्चित ही देश का राष्ट्रीय भाव के साथ विचार करने वाला बहुसंख्यक समाज उससे दूर होता चला गया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में सबका साथ और सबका विकास वाली अवधारणा ही दिखाई देती है। अब तो केन्द्र सरकार ने अंत्योदय की अवधारणा पर कदम बढ़ाते हुए सबका विश्वास अर्जित करने का साहसिक प्रयास करने की ओर कदम बढ़ा दिया है, जिसके परिणाम भी अच्छे आएंगे, यह पूरा विश्वास भी है।

आज देश के विपक्षी राजनीतिक दल मोदी सरकार की कार्यशैली से इसलिए भी भयभीत से दिखाई देते हैं, क्योंकि दोनों की कार्यशैली में जमीन आसमान का अंतर है। जहां एक ओर देश की जनता मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा को पसंद कर रही है, वहीं कांग्रेस की भाषा को सुनकर दूर होती जा रही है। आज कांग्रेस की जो स्थिति दिखाई देती है, उसके लिए मोदी जिम्मेदार नहीं, बल्कि स्वयं कांग्रेस ही जिम्मेदार है, क्योंकि देश की जनता कांग्रेस के कार्यों से त्रस्त हो चुकी थी, तब जनता को साहस के साथ निर्णय लेने वाला दमदार नेतृत्व लेने वाले नायक की आवश्यकता महसूस हो रही थी, मोदी में यह सब दिखाई दिया। और जनता ने देश की बागडोर मोदी के हाथ में सौंप दी। मोदी ने अवसर पाकर ऐसे निर्णय लिए जो भाजपा के मुख्य केन्द्र बिन्दु थे। और इसी के आधार पर देश की जनता से वोट भी मांगे थे।

एक बात और... देश के संपन्न मुसलमान और तुष्टिकरण करने वाले राजनीतिक दल गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले मुसलमानों को गुमराह करके भाजपा से डराने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यह प्रामाणिक तौर पर कहा जा सकता है कि केन्द्र सरकार योजनाओं का लाभ उन मुसलमानों को भी मिला है, जो इसके लिए पात्र हैं। इसलिए वह भी यह समझने लगे हैं कि भाजपा की सरकार बिना पक्षपात के कार्य करती है। वास्तव में मोदी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मोदी किसी को छोटा नहीं करते, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से पत्थर पर ऐसी लकीर स्थापित करते हैं, जो देश के समाज को आगे बढ़ने के लिए मार्ग बनाए।

मासूम बच्चों के लिए काल बनते बोरवेल

पंजाब के होशियारपुर जिले के गढ़दीवाला के समीप बहरामपुर में 22 मई को हुए दर्दनाक हादसे में कुत्ते से बचकर भाग रहा छह वर्षीय एक बच्चा ऋतिक 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत की नींद सो गया। हालांकि सेना और एनडीआरएफ की टीम ने आठ घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद उसे बोरवेल से बाहर तो निकाल लिया लेकिन अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों द्वारा बताया गया कि अस्पताल लाने से घंटे भर पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई, जब बच्चा खेत में खेल रहा था और उसी दौरान एक आवारा कुत्ता उसके पीछे पड़ गया। बच्चा कुत्ते से बचने के लिए भागते हुए बोरवेल शाफ्ट पर चढ़ गया, जिसे जूट के बोरे से ढ़का हुआ था। इस प्रकार बच्चा 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर करीब 95 फुट नीचे जाकर फंस गया और खुले पड़े बोरवेल के कारण मौत के मुंह में समा गया। पिछले कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे हो चुके हैं, जिनमें इन बोरवेलों ने मासूम बच्चों को जिंदा निगल लिया। हालांकि विड़म्बना यह है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होते नहीं दिखते।

हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर दर्दनाक मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह भी हैं कि आखिर बार-बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे और कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं।

अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विड़म्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने करीब दो साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घडियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे।

विड़म्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डी.एम., ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढ़ों के मुंह को लोहे के ढ़क्कन से ढ़कना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता।

अदालती दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद यदि कोई गड्ढ़ा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढ़ों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढ़ांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है, जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। बहरहाल, न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

कितनी उचित है यासिन मलिक को सजा?

स्वतंत्र कश्मीर के लिये मुजाहिद यासिन मलिक को कल (25 मई 2022) उम्रकैद हो गयी। अभियोजन के (सरकारी) वकील नील कमल ने फांसी की सजा मांगी थी। यासिन के वकील अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि ''गौर किया जाये कि यासिन ने 1994 से हिंसा तज दी थी।'' आरोपी ने कहा उसकी आस्था गांधीवादी हो गयी है। मगर जज प्रवीण सिंह ने टोका कि ''चौराचौरी की हिंसा के बाद बापू ने आंदोलन वापस ले लिया था। हिंसा की भर्त्सना की थी। यासिन ने ऐसा नहीं किया। लिहाजा आजीवन कारावास।''

मगर यह सजा आंशिक है, केवल एक पक्ष में ही दी गयी है। यासिन के सहअभियुक्तों में डा. फारुख अब्दुल्ला, तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त आरवीएस पेरिशास्त्री, राजीव गांधी भी नामित होने चाहिये। कारण ? भारत सरकार की एक साजिशभरी हरकत ने इस भ्रमित भारतद्रोही (मगर कट्टर ड्डछ%च्ल्लदृछद्ध–ॐचुह्दह्र), प्रताप कालेज के स्नातक को आतंकवादी बना दिया। ड्ढलृद्ध–%श्च्लह्यु आजादी फ्रन्ट का सिरमौर बना दिया। हत्यारा बना दिया। कश्मीर घाटी में 1987 में राज्य विधानसभा का चुनाव था। एक पोलिंग बूथ पर यासिन तब मुस्लिम यूनाइटेड फ्रन्ट के प्रत्याशी मोहम्मद यूसुफ शाह का चुनाव एजेंट था। अमीर कदल विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी ने आधी रात के बाद यासिन को बताया कि ''उसकी पार्टी का प्रत्याशी काफी बढ़त बनाये है। सुबह तक वह विजयी घोषित हो जायेगा। अतः अब घर जायें। आराम करें।'' सरकारी तंत्र पर यकीन कर I%ल्र%ह्ड–ॐल्हह्ल यासिन घर चला गया। सुबह उसने अखबार में पढ़ा कि फारुख अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस का प्रतिद्वंदी विजयी घोषित हो गया। अंतिम चक्र की मतगणना में उसके वोट उसकी जमानत बचाने लायक भी पर्याप्त नहीं थे। जीत का तो सवाल ही नहीं था। विधानसभा में फारुख अब्दुल्ला तथा ुछड्डह्रॐ–%छह*ल्ुड को बहुमत मिल गया।

मुझसे एक इन्टर्व्यू में (श्रीनगर 3 जनवरी 1991) को यासिन ने इस नाइंसाफी और फर्जीवाडा को सिलसिलेवार वर्णित कर बताया था। तब वह श्रीनगर में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों की हत्या का अभियुक्त था। विशेष अनुमति पर सरकार ने फौजी हिरासत में यासिन से मुझे मिलाया था। मगर तबतक भारत के लोकतांत्रिक मतदान में उसकी आस्था नष्ट हो चुकी थी। प्रेस कांउसिल का सदस्य होने के कारण मैं ने अपने अध्यक्ष तथा सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज ने राजेन्द्र सिंह सरकारिया को यह घटना बतायी थी। इसके अलावा प्रेस कांउसिल की जांच समिति में मेरे सहसदस्य तथा सम्पादक पत्रकार बीजी वर्गीस को भी इस इन्टर्व्यू के बारे में बता दिया था। वर्गीस इंडियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स तथा टाइम्स आफ इंडिया के संपादक रह चुके थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार को भी इस बारे में पता था।

उसी दौर में वीपी सिंह सरकार के गृहमंत्री रहे मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबिया (महबूबा की अनुजा) का अपहरण हुआ था। पांच क्रूर आंतकवादियों की रिहाई के एवज में रुबिया मुक्त हुयी थी। नूरा कुश्ती के शक की सुई केन्द्रीय गृहमंत्री पर टिकी थी। अर्थात यासिन की बात वजनदार ही थी। भारत का सत्ता केन्द्र कश्मीरी आवाम को रू०ल्र्ड्ढ्ढलृ्छ–्ढलृद्धदृ का गुलाम ही बनाये रखना चाहती थी। और इसीलिये यासिन ने हथियार उठा लिये, जो माओत्से तुंग ने पीड़ितों को सिखाया था। हिरासत में पूछा भी था मुझसे यासिन ने : ''क्या विकल्प है हम पीड़ितों के लिये?'' मेरा सवाल था ''कब तक लड़ोगे?'' वह बोला ''आप अंग्रेजों से कब तक लड़ते रहे?'' समझाने की कोशिश में मैंने कहा : ''गोरे लोग सात समुंदर दूर थे। हम तो पहाड़ के नीचे है।'' वह नहीं माना। यासिन बोला पीढ़ी दर पीढ़ी हमारी जंग चलेगी। फिर मैंने जानना चाहा कि ''कश्मीर यदि इस्लाम के नाम पर भारत से अलग हुआ था, तो आपके तीस करोड़ सहधर्मी भारत में किस आधार पर रह पायेंगे ?'' यासिन का उत्तर बड़ा स्पष्ट और साफ था : '' कश्मीरियों का कोई भी वास्ता इन हिन्दुस्तानी मुसलमानों से नहीं है। हमारी लड़ाई जुदा है।'' आकर मैंने दिल्ली और लखनऊ में सबको बताया। मगर कोई भी मिल्लत का आदमी अथवा जमात ने यासिन को मजहब का वास्ता देकर समझाने की तनिक भी कोशिश नहीं की।

यासिन मलिक त्रासद का शिकार रहा। अटल बिहारी वाजपेयी ने उसका पासपोर्ट जारी किया था। केन्द्रीय काबीना मंत्री जार्ज फर्नांडिस उससे मिले थे ताकि संवाद द्वारा समाधान निकले। सरदार मनमोहन सिंह ने यासिन को अपना राज्य अतिथि बनाया था। फिर बात क्यों नहीं बनी ? बेईमान मतदान प्रणाली जो जनमत से प्रवंचना करती है, वही एकमात्र कारण रही।

यह बात 1977 की है। केन्द्रीय चुनाव आयोग के अधिकारी मोरारजी देसाई के पास पूछने गये थे : ''कश्मीर और बंगाल के विधानसभाई मतदान पर क्या आदेश है? '' प्रधानमंत्री को पहले अचरज हुआ फिर आक्रोशित हुये । उनका सुझाव था : '' निर्बाध, निष्पक्ष चुनाव हो।'' नतीजन मार्क्सवादी कम्युनिस्ट बंगाल में और शेख अब्दुल्ला श्रीनगर में पूरे बहुमत से जीते। तभी शेख ने कहा भी : '' आजादी के बाद कश्मीर का यह पहला ईमानदार निर्वाचन हुआ।'' शेख और मोरारजी परस्पर विरोध खेमों में थे। उन्हें भलीभांति स्मरण रहा कि 1948 से तबतक (नेहरु युग से राजीव काल तक) चुनावी धांधली बड़ी आम बात थी। यासिन मलिक इसका जीवंत सबूत है। उसे पाकिस्तान धन देता रहा क्योंकि फारुख, मुफ्ती, उमर और महबूबा की भांति वह राजकोष से ल्ल्रु–ल्ल्रु ही था। कोर्ट में उसने अपनी हिंसक अपराधों को बेहिचक स्वीकारा है। राजीव गांधी के हत्यारों की भांति यासिन पर भी सरकार को कृपापात्र होना चाहिये।

यह पूछे जाने पर कि उसने शांति मार्ग क्यों नहीं अपनाया ? यासिन द्वारा दिये गये उत्तर पर अदालत को गौर करना चाहिये। यासिन ने कहा : ''घाटी में बंदूक संस्कृति की इब्तिदा मुझसे हुयी है। हम चाहते है कि हमें सुना जाये।'' सभी कश्मीरी भलीभांति समझते है कि भारतीयों का उत्सर्ग याद रखना चाहिए कि : ''जहां हमारा (हिन्दुस्तानियों का) लहू गिरा है, वह कश्मीर हमारा है।'' समझौते का आधार भी यही होगा। (लेखक- के. विक्रम राव / ईएमएस)

आज का इतिहास 29 मई

1807 तुर्की में मुस्तफा चतुर्थ ने सुल्तान तृतीय को गद्दी से हटा दिया.
1917 अमरीका के स्वर्गीय राष्ट्रपति जान कैनेडी का जन्म.
1923 ब्रिटेन ने फिलोस्तानी संविधान निलम्बित कर दिया.
1943 द्वितीय विश्व युद्ध में एल्यूशियन द्वीप में अमरीकियों ने जापानियों को शिकस्त दी.
1953 तेनजिंग व हिलेरी द्वार माउण्ट एवरेस्ट पर विजय.
1972 अमरीका और सोवियत संघ ने आपस में शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए.
1985 यूरोपीय कप फुटबॉल मैच से पूर्व ब्रूसेल्स के स्टेडियम में संघर्ष में 38 व्यक्ति मारे गए और लगभग चार सौ लोग गिरफ्तार हो गए.
1987 भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की मृत्यु.
1990 बोरिस येल्तसिन रूस के राष्ट्रपति चुने गए.
1992 सर्ब नेतृत्व वाली फौजों ने बोस्निया की राजधानी पर बमबारी की.
1992 'अग्नि' का सफल परीक्षण.
1993 अमरीकी देश के एक प्रतिनिधि मंडल ने ग्वाटेमाला में बातचीत के दौरान वहां आपातस्थिति हटाने की मांग की.
1999 कारगिल में भारतीय सेना ने घुसपैठियों को पीछे धकेला तथा द्रास में सेना नियंत्रण रेखा तक पहुंची.
2004 किरण बेदी संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित.

दैनिक पंचांग

29 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.26 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.39 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.55 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.07 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.18 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.33 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.49 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.54 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.40 बजे से
राहुकाल		मीन	01.13 बजे से
4.30 से 6.00		मेष	02.44 बजे से
बजे तक		वृष	04.24 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 149 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 14.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका अहोरात्र।
योग अतिगण्ड 22.53 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 14.56 बजे तदनन्तर चतुष्पद 03.56 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871263
जूलियन दिन 2459728.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल
तारीख 27
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7300

बाएँ से दाएँ
1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे
1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -7299 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

गुजरात को अश्विन ओर चहल से सावधान रहना होगा

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में रविवार को होने वाले राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के खिताबी मुकाबले में राजस्थान के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल गुजरात टाइटंस की राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। गुजरात का यह पहला आईपीएल सत्र है जबकि राजस्थान रॉयल्स ने एक बार यह खिताब जीता है। ऐसे में अब वह दूसरी बार खिताब जीतना चाहेगी। उसके पास अश्विन और चहल जैसे गेंदबाज हैं जिन्हें खेलना गुजरात के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। राजस्थान के आईपीएल फाइनल खेलने में इस जोड़ी की अहम भूमिका रही है। चहल इस सीजन में भले ही पहली बार राजस्थान से खेल रहे हैं पर इसका उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने अब तक खेले 16 मुकाबले में कुल 26 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं।

चहल ने इस सीजन में एक बार चार और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। चहल की तरह ही अश्विन ने भी राजस्थान के लिए अच्छी गेंदबाजी की है। अश्विन ने 16 मैच में 12 विकेट लिए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 7.35 रहा है। राजस्थान के गेंदबाजों ने इस सीजन में अब तक कुल 94 विकेट लिए हैं। इसमें से 38 विकेट चहल और अश्विन की जोड़ी लिए हैं। यानी टीम के लिए आधे से कुछ अधिक विकेट इसी जोड़ी ने लिए हैं। ऐसे में अगर गुजरात टाइटंस को डेब्यू सीजन में खिताब जीतना है तो इस जोड़ी से बचकर रहना होगा।

पंडया , मिलर राजस्थान पर पड़े हैं भारी

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल में रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंडया राजस्थान रॉयल्स की राह में बाधा बन सकते हैं। पंडया अब तक इस सत्र में राजस्थान के खिलाफ बल्लेबाजी में बेहद सफल रहे हैं। अब तक हुए दोनो ही मुकाबलों में पंडया की अच्छी बल्लेबाजी से गुजरात को जीत मिली है।लीग राउंड में मुंबई में खेले गए मैच में गुजरात ने पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 192 रन बनाये थे। तब पंडया 52 गेंद पर 87 रन बनाकर नाबाद रहे थे। उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाये थे। वहीं डेविड मिलर ने 14 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी थी।

गुजरात की टीम पहले क्वालिफायर में भी राजस्थान पर हावी रही। इस बार राजस्थान ने पहले खेले हुए 6 विकेट पर 188 रन बनाये। इसके जवाब में गुजरात ने 10वें ओवर में 85 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे पर इसके बाद पंडया और मिलर ने नाबाद शतकीय साझेदारी करके टीम को वापसी कराते हुए जीत दिलायी। अंतिम ओवर में टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे। तब मिलर ने प्रसिद्ध कृष्णा की पहली 3 गेंद पर 3 छक्के जड़कर टीम को फाइनल में पहुंचाया।

इस मैच में हार्दिक पंडया 27 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वहीं डेविड मिलर ने 38 गेंद पर 179 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाए थे।

आरेंज कैप बटलर को मिलना तय

अहमदाबाद (ईएमएस)। राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल फाइनल में पहुंचते ही उसके बल्लेबाज जोस बटलर को सबसे ज्यादा रनों के लिए मिलने वाली औरेंज कैप तय हो गयी है। बटलर ने आरसीबी के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर मैच में नाबाद 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। इस प्रकार उसके कुल रनों की संख्या बढ़कर 824 हो गयी हैं। उन्होंने आइपीएल के इस सीजन में चार शतक लगाए हैं।

इस तरह से उन्होंने आइपीएल 2022 की आरेंज कैप अपने नाम कर ली है। अभी भी उनके पास अपने रनों की संख्या को बढ़ाने और डेविव वार्नर से आगे निकलने का अवसर होगा। एक सत्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में साल 2016 में विराट कोहली 973 रनों के साथ पहले नंबर पर जबकि इसी साल 848 रनों के साथ डेविड वार्नर तीसरे नंबर पर थे। वहीं बटलर इस 15 वें सत्र में 824 रन बनाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं ऐसे में खिताबी मुकाबले में उनके पास उनके पास डेविड़ वार्नर को पीछे छोड़ने का अवसर रहेगा।

वहीं सबसे ज्यादा विकेट के मामले में पर्पल कैप को लेकर दो स्पिन गेंदबाजों युजवेंद्र चहल 26 और वानिंदू हसरंगा के बीच अच्छा मुकाबला है। आरसीबी के खिलाफ मैच में चहल नहीं ले पाये जबकि हसरंगा ने एक विकेट लिया। इस प्रकार उनके विकटों की संख्या भी बढ़कर चहल के बराबर ही 26 हो गयी। चहल के नाम भी 26 विकेट है पर कम इकोनामी के कारण पर्पल कैप पर अभी हसरंगा का कब्जा बना हुआ है। गुजरात टाइटंस के चहल के पास खिताबी मुकाबले में हसरंगा को पीछे छोड़ने का अवसर है। आरसीबी के बाहर होने से हसरंगा की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं पर चहल के पास फाइनल में विकेट लेकर नंबर एक पर आने का अच्छा अवसर है।

आईपीएल के 15 वें सत्र में बने कई रिकार्ड

अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में कई नये रिकार्ड बने है। यह सत्र बड़े शॉट के लिए याद रखा जाएगा। इस सत्र में 1000 से अधिक छक्के लगे हैं। वहीं अब तक 8 शतक लगे हैं। इससे पहले साल 2016 में सबसे अधिक 7 शतक लगे थे। इसके अलावा 2008, 2011 और 2012 में भी 6-6 शतक लगे थे। इस सत्र की बात की जाए, तो राजस्थान से खेल रहे इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर ने सबसे अधिक 4 शतक लगाए हैं। इसी के साथ ही बटलर एक सत्र में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने भी इस सत्र में 2 शतक लगाये हैं जबकि लखनऊ के क्विंटन डिकॉक और आरसीबी के रजत पाटीदार ने एक-एक शतक लगाया है। इस सत्र में 2 गेंदबाजों पर 30 या उससे अधिक छक्के लगे हैं। यह पहली बार हुआ है। आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर सबसे अधिक 31 छक्के लगे। वहीं आरसीबी से ही खेल रहे लेग स्पिनर वानिंदु हसारंगा पर भी 30 छक्के लगे। इससे पहले साल 2018 में ड्वेन ब्रावो पर सबसे अधिक 29 छक्के लगे थे।

रजत प्लेऑफ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलूर (आरसीबी) के रजत पाटीदार ने 58 रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इससे पहले रजत ने लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में भी 112 रन बनाये थे। इसी के साथ ही रजत आईपीएल के प्लेऑफ नॉकआउट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाटीदार ने प्लेऑफ में कुल 170 रन बनाए। वहीं प्लेऑफ में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने साल 2016 आईपीएल में कुल 190 रन बनाए थे। पाटीदार ने अपने शानदार प्रदर्शन से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और मुरली विजय को पीछे छोड़ दिया है।

साहा ने साल 2014 में प्लेऑफ में कुल 156 रन बनाए थे जबकि विजय ने भी 2012 में 156 रन बनाये थे। वहीं एलिमिनेटर और क्वालिफायर दोनो में 50 रनों से ज्यादा बनाने वाले रजत दूसरे भारतीय हैं। रजत से पहले सुरेश रैना ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

आईपीएल में विजेता को मिलेंगे 20 करोड़

दूसरे ओर तीसरे नंबर की टीम को मिलेंगे 13 और सात करोड़

अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में रविवार को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खिताबी मुकाबला होगा। इसमें विजेता टीम को 20 करोड़ रुपए जबकि हारने वाली टीम को 13 करोड़ रुपए की इनामी राशि मिलेगी। वहीं दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स के हाथों हारने वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को तीसरे स्थान पर आने के कारण सात करोड़ की राशि मिलेगी। वहीं चौथे नंबर पर रही लखनऊ सुपर जाएंट्स को 6.50 करोड़ रुपए मिलेंगे।

इसके अलावा शानदार प्रदर्शन कर पर्पल और ऑरेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं टूर्नामेंट के इमर्जिंग खिलाड़ी को 20 लाख रुपए का इनाम मिलेगा।

आईपीएल की शुरुआत साल 2008 में हुई थी तब विजेता रही टीम राजस्थान रॉयल्स को 4.8 करोड़ रुपए मिले थे। आज यही इनामी राशि बढ़कर पांच गुना हो गयी है।

ऋषभ अगर 100 टेस्ट खेलते हैं तो इतिहास बनाएंगे : सहवाग

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अगर युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 100 टेस्ट खेल लेते हैं तो यह एक बड़ा रिकार्ड होगा। ऋषभ टीम में पदार्पण के बाद से ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के बल पर सबकी नजरों में रहे हैं। उन्होंने अब तक 30 टेस्ट मैचों में 40.85 की औसत से 1920 रन बनाए, जिसमें चार शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। मार्च में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू श्रृंखला में इस बल्लेबाज ने 120.12 की स्ट्राइक रेट से 185 रन बनाए जिसमें 28 गेंदों में अर्धशतक शामिल है। सहवाग ने कहा, अगर वह 100 से अधिक टेस्ट खेलता है, तो उसका नाम हमेशा के लिए इतिहास की किताब में दर्ज हो जाएगा। अब तक केवल 11 भारतीय क्रिकेटरों ने यह उपलब्धि हासिल की है और हर कोई उन 11 नामों को याद कर सकता है।

सहवाग स्वयं टेस्ट क्रिकेट में सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने 82.23 के आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट से 49.34 के औसत से 8586 रन बनाए। वहीं एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 35.05 की औसत और 104.33 के स्ट्राइक रेट के साथ 8273 रन बनाए हैं। सहवाग के अनुसर टी20 प्रारूप अधिक लोकप्रिय और आकर्षक होने के बाद भी टेस्ट क्रिकेट भविष्य में खेल का अंतिम प्रारूप बना रहेगा।

आईपीएल के खिताबी मुकाबले में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

रात 8 बजे से होगा मैच

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में रविवार को यहां होने वाले खिताबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स की टीम आमने-सामने होगी। दोनो ही टीमें फाइनल में जीत के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। हार्दिक पांडया की कप्तानी में गुजरात जहां पहली बार आईपीएल खेल रही है वहीं राजस्थान ने एक बार आईपीएल खिताब जीता है। गुजरात की टीम के पास कई शानदार खिलाड़ी हैं पर उसे अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो राजस्थान के जोस बटलर पर अंकुश लगाना है। इस सत्र में बटलर ने अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं और वह एक मैच विजेता के तौर पर सामने आये हैं। गुजरात ने इस सत्र में कई बड़ी टीमों को हराया है परन्तु इस बार मुकाबला आसान नहीं है। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन जीत का यह अवसर हाथ से जाने नहीं देंगे। पंद्रह साल पहले आईपीएल में जीता का करिश्मा राजस्थान दोहराना चाहेगी। दूसरी ओर गुजरात का लक्ष्य जीत हासिल कर नया इतिहास रचना रहेगा। आईपीएल की शुरुआत में किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि गुजरात यहां तक पहुंचेगी। ऐसे में हार्दिक और मुख्य कोच आशीष नेहरा के जीत एक बड़ी उपलब्धि रहेगी। नीलामी के बाद गुजरात टीम को पहले ही दौड़ से बाहर मान लेने वाले जानकारों को भी हार्दिक करारा जवाब देना चाहेंगे।

टीम के पास बल्लेबाजी में हार्दिक के अलावा राहुल तेवतिया और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज हैं। लंबे समय बाद फिट होकर फॉर्म में लौटे हार्दिक ने बतौर कप्तान अपने को साबित किया है। कप्तानी का दबाव लिए बिना ही वह बल्लेबाजी में भी बेहतर बनकर उभरे हैं। वहीं मिलर के भी लय हासिल करने से टीम का हौंसला बढ़ा है। तेवतिया ने अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि उन्होंने शारजाह में जो पांच छक्के लगाये थे वह तुक्का नहीं था। टीम के पास राशिद खान जैसा शानदार स्पिनर है। विकेटकीपर बल्लेबाज रिधिमान साहा ने भी इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर कई अहम पारियां खेली हैं।

गुजरात की टीम को अपने घरेलू मैदान के साथ ही प्रशंसकों का भी साथ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर अनुभवी खिलाड़ियों वाली टीम राजस्थान का लक्ष्य इस खिताब को जीतकर टीम को पहली बार खिताब जिताने वाले दिवंगत शेन वार्न को समर्पित करना रहेगा। टीम के कप्तान सैमसन इसलिए जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगे बटलर जैसे बल्लेबाजों के फार्म में होने से टीम का हौंसला बढ़ा हुआ है। टीम के पास

बल्लेबाजी में जहां बटलर, सैमसन, रियान पराग, देवदत्त पडिक्कल के अलावा शिमरोन हेटमायर जैसे ऑलराउंडर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा अनुभवी रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर हैं। चहल इस मैच में अधिक से अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा करना चाहेंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.23 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मई को समाप्त सप्ताह में 4.23 अरब डॉलर बढ़कर 597.509 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में हुई बढ़ोतरी के कारण हुई है। इससे पूर्व 13 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.676 अरब डॉलर घटकर 593.279 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों में वृद्धि होना है जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 533.378 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 25.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.823 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.306 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 5.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.002 अरब डॉलर पहुंच गया।

आरबीआई ने कहा- डिजिटल करेंसी के फायदे और नुकसान पर विचार जारी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह देश में एक डिजिटल मुद्रा की शुरुआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है। आरबीआई ने कहा कि वह डिजिटल मुद्रा की शुरुआत के लिए क्रमिक नजरिया अपनाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि केंद्रीय बैंक एक भारतीय डिजिटल मुद्रा की शुरुआत करेगा। आरबीआई ने हाल ही में जारी 2021-22 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि आम बजट 2022-23 में सीबीडीसी (केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा) की शुरुआत की घोषणा की गई थी। इसके तहत आरबीआई अधिनियम, 1934 में एक उपयुक्त संशोधन को वित्त विधेयक, 2022 में शामिल किया गया है वित्त विधेयक, 2022 को अधिनियमित किया गया है, जो सीबीडीसी की शुरुआत के लिए एक कानूनी ढांचा मुहैया कराता है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया ?कि रिजर्व बैंक भारत में एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा की शुरुआत की तैयारी कर रहा है। सीबीडीसी के डिजाइन को मौद्रिक नीति, वित्तीय स्थिरता और मुद्रा तथा भुगतान प्रणालियों के कुशल संचालन के घोषित उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए।' इसमें आगे कहा गया कि रिजर्व बैंक भारत में सीबीडीसी की शुरूआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है और इसे लाने के लिए एक क्रमिक नजरिया अपनाया जाएगा।

आईपीएल के समापन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगे रणवीर, एआर रहमान

झारखंड का छऊ नृत्य पेश करेंगे कलाकार

अहमदाबाद (ईएमएस)। आईपीएल के 15 वें सत्र में यहां रविवार को मोटेरा स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के खिताबी मुकाबले से पहले एक भव्य समापन समारोह होगा। इसी कारण फाइनल मैच आधा घंटा देरी से रात 8.00 बजे से खेला जाएगा। समापन समारोह करीब 45 मिनट का होगा। आईपीएल में साल 2018 के बाद पहली बार समापन समारोह हो रहा है। इस समारोह में मशहूर संगीतकार एआर रहमान और अभिनेता रणवीर सिंह भी कार्याक्रम पेश करेंगे। इसके आलावा झारखंड के छऊ नृत्य के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रभात कुमार महतो के नेतृत्व में 10 सदस्यीय छऊ नृत्य टीम 24 मई को ही गुजरात के लिए रवाना हो गई थी। महतो की टीम ने भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और चीन जैसे कई देशों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है। बीसीसीआई इस यात्रा के लिए हर खर्च का भुगतान कर रही है। प्रभात महतो का ग्रुप छऊ नृत्य के सबसे प्रसिद्ध रूपों में से एक मानभूम छऊ पेश करेगा।

समापन समारोह में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह सहित सहित पदाधिकारी भी रहेंगे। इसके साथ ही भारतीय टीम के कुछ पूर्व कप्तानों के उपस्थित रहने की भी संभाना है। समारो में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में टीम इंडिया की पिछली 75 सालों की यात्रा को भी दिखाया जाएगा। फाइनल मुकाबले के दौरान पहली पारी के दूसरे टाइमाउट के समय फिल्म लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर भी लॉन्च होगा।

हिंदी का बढ़ रहा मान! जापानी छात्रों में हो रही लोकप्रिय

सिंगापुर (ईएमएस)। वैश्विक स्तर पर हिंदी का मान लगातार बढ़ रहा है। टोक्यो में 'ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल' (जीआईआईएस) में जापानी छात्रों के बीच हिंदी और फ्रेंच सबसे अधिक लोकप्रिय विदेशी भाषाएं हैं। जीआईआईएस के एक प्रमुख सदस्य अतुल तेमुर्निकर ने यह जानकारी दी। छह देशों में जीआईआईएस के संस्थान हैं। सिंगापुर में 'ग्लोबल स्कूल्स फाउंडेशन' के सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष तेमुर्निक ने कहा कि जापानी छात्र अपनी संस्कृति को बचाए रखते हुए एशियाई और पश्चिमी संस्कृतियों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। उन्होंने जीआईआईएस में भाषा संबंधी पाठयक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'सांस्कृतिक शिक्षा जापानी और प्रवासी छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों के बारे में गहराई से जानने और अनुभव करने का अवसर देती है।' जीआईआईएस के 16 संस्थानों में 15,000 छात्र हैं।

तेमुर्निकर ने जीआईआईएस ग्रेड पांच के एक जापानी छात्र का अनुभव साझा किया, जिसने इस सप्ताह की शुरुआत में जापान की दो दिवसीय यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोगों के साथ बातचीत के दौरान हिंदी में बात कर उन्हें चकित कर दिया था। छात्र रित्सुकी कोबायाशी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हिंदी में बात की और एक चित्र पर उनका ऑटोग्राफ मांगा जिसमें हिंदी, जापानी और अंग्रेजी में विवरण थे। प्रधानमंत्री इससे अभिभूत हुए और उन्होंने मुस्कुराते हुए छात्र से बात की। तेमुर्निकर ने कहा कि जापानी छात्रों के बीच हिंदी एक लोकप्रिय भाषा है और इसे कक्षा एक से 10 तक के दोनों पाठयक्रमों, 'सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन' और 'कैम्ब्रिज आईजीसीएसई' में पढ़ाया जाता है।

उन्होंने जापानी छात्रों की भाषाई विविधता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत-जापान के लोगों के बीच संबंध लगभग एक सदी पुराने हैं। जीआईआईएस तोक्यो में 19 राष्ट्रों के छात्र पढ़ते हैं, जिनमें सबसे बड़ा समूह जापानी छात्रों का है। ये छात्र हिंदी, फ्रेंच, जापानी, संस्कृत, मंदारिन, अरबी और तमिल सहित 10 से अधिक भाषाएं सीखते हैं। तेमुर्निकर ने कहा कि संस्थान नियमित रूप से भाषा पर्व मसलन हिंदी दिवस, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी वाद-विवाद आदि आयोजित करता है और जापानी भाषा में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है।

संकटों से घिरे श्रीलंका की भारतीय मदद के लिए विक्रमसिंघे ने की प्रशंसा

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक और राजनैतिक संकटों से घिरे देश श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भारत की ओर से मिल रही मदद की प्रशंसा की है। इसके साथ ही उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वह दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उत्सुक हैं। विक्रमसिंघे ने ट्विटर पर कहा कि शुक्रवार को भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ उनकी बातचीत हुई। इस मुश्किल समय के दौरान भारत की ओर से दी गई मदद के लिए मैंने अपने देश की ओर से उसकी सराहना की। मैं दोनों देशों के बीच के संबंधों के और प्रगाढ़ होने की उम्मीद करता हूं। श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने एक और ट्वीट में कहा कि वह श्रीलंका की मदद के लिए एक विदेशी सहायता समूह की स्थापना के संबंध में 'क्वाड' सदस्यों के प्रस्ताव पर भारत और जापान के सकारात्मक रूख के लिए उनके 'आभारी' हैं।

अफ्रीकी द्वीप में बारिश-बाढ़ के बाद रहस्यमय डेंगू वायरस का संक्रमण, 1 महीने में दर्ज हुए 100 मामले

-डब्ल्यूएचओ ने जताई जताई चिंता, किया आगाह

साओ टोमे (ईएमएस)। महामारी कोरोना के कहर से अभी दुनिया पूरी तरह उबर भी नहीं पाई है और अब अफ्रीकी द्वीप राष्ट्र साओ टोमे एंड प्रिंसिपे में पहली बार रहस्यमय डेंगू बुखार का प्रकोप डरा रहा है जिसे लेकर स्वास्थ्य अधिकारी चिंतित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 15 अप्रैल से 17 मई तक, एक महीने में 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। लेकिन संभवतः आंकड़ों को कम करके आंका जा रहा है। फिलहाल किसी की मौत दर्ज नहीं की गई है लेकिन रिस्पॉन्स प्लान तैयार कर लिया गया है और कई जिलों में महामारी की जांच चल रही है। डेंगू बुखार फ्लू जैसी एक गंभीर बीमारी है जो एडीज मच्छरों के फैलाए संक्रमण से होती है। मिरर की खबर के अनुसार डब्ल्यूएचओ ने बीमारी फैलने के नेशनल रिस्क को 'हाई' कहा है क्योंकि पिछले साल दिसंबर से भारी बारिश और बाढ़ के चलते मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण पैदा हुआ है। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता और वाटर मैनेजमेंट की खराब व्यवस्था भी बीमारी को बढ़ा सकती है।

डेंगू का प्रकोप ऐसे समय पर फैल रहा है जब देश पहले से कोरोना वायरस, मलेरिया और डायरिया जैसी मुश्किलों का सामना कर रहा है। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि दर्ज किए गए मामलों को संभवतः कम करके आंका जा रहा है क्योंकि डेंगू के ज्यादातर मामले लक्षणहीन हैं। देश में सामूहिक जागरुकता की कमी है। बुखार के साओ टोमे एंड प्रिंसिपे से अन्य देशों में फैलने की संभावना नहीं है क्योंकि द्वीप किसी भी अन्य देश से भूमि सीमाएं साझा नहीं करता है। डब्ल्यूएचओ ने सलाह दी है कि साओ टोमे एंड प्रिंसिपे के बाहरी द्वीपों में स्वास्थ्य केंद्रों को इस प्रकोप के बारे में सूचित किया जाना चाहिए और मामले सामने आने के बाद रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किया जाना चाहिए। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, सिरदर्द और जोड़ों में दर्द शामिल है। 30 सैंपल्स को पिछले महीने लिस्बन की एक लैब में भेजा गया था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक लैब टेस्ट में सामने आया कि सैंपल्स डेंगू पॉजिटिव थे।

चीन में वर्षा ने मचाई तबाही, 15 लोगों की मौत और तीन लापता

बीजिंग (ईएमएस)। दक्षिणी चीन में मूसलाधार बारिश के चलते हुए हादसों में 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लापता हो गए हैं। फूजियान प्रांत में भूस्खल से दो इमारतें धराशाही हो गईं हैं, इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। युन्नान प्रांत में पांच अन्य लोगों की मौत हो गई है और तीन लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुआंगशी क्षेत्र में शिन्चेंग काउंटी में शुक्रवार को बाढ़ के पानी के साथ तीन बच्चे बह गए, जिनमें से दो की मौत हो गई और एक को बचा लिया गया। चक्रवात से युन्नान प्रांत की क्यूबेई काउंटी में सड़कें, पुल, दूरसंचार व बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं। यह स्थान वियतनाम सीमा से 130 किलोमीटर दूर है। यातायात व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। लोगों को आने-जानें में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से मदद मुहैया कराई जा रही है। फुजियान में एक फैक्टरी के मलबे से पांच शव और एक रिहायशी इमारत के मलबे से तीन शव बरामद किए गए हैं।

क्वाड योजना ने ड्रैगन की नींद उड़ाई, जिनपिंग ने 8 देशों की यात्रा पर भेजे खास चीनी दूत

बीजिंग (ईएमएस)। जापान की राजधानी टोक्यो में संपन्न हुए क्वाड सम्मेलन के बाद से ड्रैगन की नींद हराम हो गई है। यही वजह है कि चीनी राष्ट्रपति कई देशों को अपने साथ जोड़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं। चीन ने सुरक्षा और व्यापार पर 10 देशों के साथ समझौता करने की योजना बनाई है। अपने इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विदेश मंत्री वांग यी ने प्रशांत द्वीप देशों का एक बड़ा दौरा शुरू किया है। अपनी 10 दिवसीय यात्रा के दौरान 8 देशों वांग किरिबाती, समोआ, फिजी, टोंगा, वानुअतु, पापुआ न्यू गिनी और पूर्वी तिमोर में रुकेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब कुछ दिनों पहले टोक्यो में क्वाड शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ था जिसमें अपने सदस्यों को इन प्रशांत द्वीप देशों के साथ सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान किया गया था। क्वाड में भारत के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अमीर देश शामिल हैं। क्वाड समिट के बाद से चीन को चुनौती देने के लिए ऑस्ट्रेलिया की नवनिर्वाचित सरकार भी एक्टिव हो गई है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग 44 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वांग के आठ देशों के दौरे का मुकाबला करने के प्रयास में प्रशांत द्वीप देशों में से एक फिजी पहुंचे।

चीन के विदेश मंत्री सोलोमन द्वीप भी गए, जिसने हाल ही में तीन क्वाड सदस्यों- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की आपत्तियों के बावजूद चीन के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। चीन के विदेश मंत्री जिन देशों का दौरा कर रहे हैं उनमें से कई देश ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा दूर नहीं हैं। विश्लेषकों का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया चीन को एयूकेयूएस और क्वाड के जरिए कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। इसी को देखते हुए चीन ऑस्ट्रेलिया के पड़ोसी देशों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने अपने विदेश मंत्री वोंग को फिजी भेजा क्योंकि चीनी विदेश मंत्री सोमवार को प्रशांत द्वीप देशों के साथ एक हाईब्रिड सम्मेलन के लिए वहां पहुंचने वाले हैं। संयुक्त वक्तव्य में, क्वाड ने प्रशांत क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे के लिए समर्थन की पुष्टि की थी, जिसे चीन अपने विदेश मंत्री के अभूतपूर्व 10-दिवसीय दौरे के माध्यम से पूर्ववत करने का प्रयास कर रहा है।

एलन मस्क बोले, आयातित कार बेचने की अनुमति नहीं, भारत में टेस्ला का नहीं लगेगा संयंत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका की प्रसिद्ध इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के भारत में आगमन को लेकर अटकले चल रही है। इस बीच, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाने का संकेत दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि जब तक कंपनी को पहली बार दक्षिण एशियाई देश में इंपोर्टेड कारों को बेचने और सर्विसिंग की अनुमति नहीं दी जाती है, तब तक वहां कार प्लांट स्थापित नहीं हो सकता है। इस संबंध में एक शख्स ने ट्विटर पर मस्क से टेस्ला की भारत में प्लांट लगाने की योजना पर सवाल किया था।

अरबपति कारोबारी मस्क ने ट्विटर पर इस पोस्ट के जवाब में कहा, टेस्ला ऐसे किसी भी स्थान पर प्रोडक्शन प्लांट नहीं लगाएगी, जहां हमें पहले से कार बिक्री और कार सर्विसिंग की अनुमति नहीं है। यूजर ने यह पूछा था, टेस्ला के बारे में क्या? क्या टेस्ला भविष्य में भारत में प्लांट लगाएगी? एलन मस्क की इस प्रतिक्रिया से पता चलता है कि भारत और टेल्सा के बीच देश में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने पर अभी गतिरोध जारी है।

मस्क ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि अगर टेस्ला इंपोर्टेड वाहनों के साथ पहली बार सफल होती है, तो वह भारत में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में अपने व्हीकल लॉन्च करना चाहती है, लेकिन भारत में इंपोर्ट ड्यूटी दुनिया में किसी भी बड़े देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। वर्तमान में, भारत 40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) मूल्य वाली पूरी तरह से इंपोर्टेड कारों पर 100 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी और इस अमाउंट से कम लागत वाली कारों पर 60 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाता है। रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवे मिनिस्टर नितिन गडकरी ने पिछले महीने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का निर्माण करने के लिए तैयार है, तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन कंपनी को चीन से कारों का इंपोर्ट नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर एलन मस्क भारत में निर्माण के लिए तैयार हैं तो कोई समस्या नहीं है। भारत आओ, निर्माण शुरू करो, भारत एक बड़ा बाजार है, वे भारत से एक्सपोर्ट कर सकते हैं।

एक शख्स ने मस्क से ट्विटर पर उनके प्रोजेक्ट स्टारलिंक को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का सस्ता और तेज इंटरनेट पूरी दुनिया को मुहैया कराने का विजन बहुत ही शानदार है। उन्होंने मस्क से सवाल किया कि भारत में इसके इस्तेमाल को लेकर क्या अपडेट है। इसके जवाब में मस्क ने कहा कि वह अभी सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

नॉर्वे के इलाके में घुसपैठ कर रहे थे रूसी लड़ाकू विमान, नाटो ने खदेड़ा

-फिनलैंड और स्वीडन ने नाटो में शामिल होने की घोषणा के बाद नॉर्डिक देशों और रूस के बीच बड़ा तनाव

हेल्सिंकी (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों से लगातार बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है वहीं युद्ध के बीच फिनलैंड और स्वीडन ने नाटो में शामिल होने की घोषणा करके क्रेमलिन को चौंका दिया है। इसके बाद से ही नॉर्डिक देशों और रूस के बीच तनाव बढ़ रहा है। गुरुवार को नाटो के लड़ाकू विमानों ने नॉर्वे और फिनलैंड की सीमा के पास दो रूसी विमानों को खदेड़ दिया जो कथित तौर पर क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे। नॉर्वेजियन वायु सेना ने गुरुवार को अपने हवाई क्षेत्र के पास एक मिकोयान मिग-31 'फॉक्सहाउंड' और एक सुखोई एसयू-24 'फेंसर' जेट को रोका। खबर के अनुसार 18 मई को फिनलैंड ने नाटो सदस्यता के लिए औपचारिक तौर पर अप्लाई कर दिया था। वहीं स्वीडन ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह सैन्य गठबंधन में शामिल होने का इच्छुक है। फिनलैंड और रूस के बीच लंबी भू सीमा है और अगर फिनलैंड नाटो में शामिल होता है तो रूस के साथ पश्चिमी सैन्य गठबंधन की सीमा दोगुनी हो जाएगी। इससे पहले रूस ने चेतावनी देते हुए कहा था कि उसे जवाबी कार्रवाई के रूप में 'सैन्य कदम' उठाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

नॉर्वे की वायुसेना ने कहा कि रूसी लड़ाकू विमानों के पूर्व में पीछे हटने से पहले नॉर्वेजियन सागर के ऊपर उन्हें रोकने के लिए दो नाटो एफ35 जेट विमानों को भेजा गया था। विमानों को नॉर्वे के सुदूर उत्तर में फिनमार्क के बाहर देखा गया लेकिन वे कभी भी आधिकारिक नॉर्वेजियन हवाई क्षेत्र में नहीं दाखिल हुए। नॉर्वेजियन वायु सेना में कॉमस मैनेजर स्टाइन बार्कले गैसलैंड ने कहा कि दो एफ5 हमेशा स्टैंडबाय पर रहते हैं, जिसे नाटो के लिए क्विक रिएक्शन अलर्ट कहा जाता है। यूक्रेन-रूस युद्ध की पृष्ठभूमि में फिनलैंड और स्वीडन की नाटो सदस्यता बहुत बड़ा कदम है और अगर दोनों देश नाटो का हिस्सा बन जाते हैं तो यूरोप का पूरा सुरक्षा नक्शा ही बदल जाएगा। गौरतलब है कि स्वीडन और फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के लिए संगठन के सभी सदस्यों की सहमति जरूरी है लेकिन संगठन में दूसरी सबसे बड़ी सेना का मालिक तुर्की इसका विरोध कर रहा है। उसने कुर्द उग्रवादियों के कथित समर्थन और तुर्की को हथियार बेचने पर पाबंदियों का मुद्दा उठाया है। तुर्की कुर्द उग्रवादियों को आतंकवादी मानता है।

20 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 200 मामले, डब्ल्यूएचओ बोला- इस पर पाया जा सकता है नियंत्रण

लंदन (ईएमएस)। स्वास्थ्य की वैश्विक निगरानी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि दुनिया के 20 से ज्यादा देशों से मंकीपॉक्स वायरस के 200 मामले सामने आए हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने साथ ही यह भी कहा कि इस महामारी को 'नियंत्रित' किया जा सकता है और दुनिया भर में उपलब्ध इस बीमारी की दवाओं और टीकों के समान वितरण का प्रस्ताव रखा। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि मौजूदा महामारी कैसे शुरू हुई इस संबंध में अभी भी कई सवालों के जवाब नहीं हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इसका कोई साक्ष्य नहीं है कि इस महामारी का कारण वायरस में किसी प्रकार का आनुवंशिक बदलाव है। एजेंसी की महामारी निदेशक डॉक्टर सिल्वी ब्रियांड ने कहा, 'वायरस के पहले (जीनोम) सीक्वेंसिंग से पता चलता है कि यह स्वरूप महामारी से प्रभावित देशों से प्राप्त स्वरूप से अलग नहीं है और यह (महामारी का प्रसार) संभवतः लोगों की जीवनशैली में आए बदलाव का नतीजा है।'

इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूएचओ के शीर्ष सलाहकार ने कहा था कि यूरोप, अमेरिका, इजरायल, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में इस महामारी का प्रसार संभवतः स्पेन और बेल्जियम में हाल ही में हुई रेव पार्टियों के दौरान सेक्स से जुड़ा हुआ है। अगर ऐसा है तो यह मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में वायरस के प्रसार के तरीके से बिल्कुल अलग है, जहां मनुष्य में जंगली चूहे और बंदरों आदि से यह बीमारी फैली है। स्पेन के प्रशासन ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश में मंकीपॉक्स से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 98 हो गई है जिनमें एक महिला भी शामिल है। ब्रिटेन, स्पेन, पुर्तगाल, कनाडा, अमेरिका और अन्य देशों के डॉक्टरों का मानना है कि अभी तक यह संक्रमण समलैंगिकों या द्विलिंगी (बाईसेक्सुअल) पुरुषों या ऐसे पुरुष जो पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाते हैं, तक सीमित था। हालांकि, अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है अगर संक्रमण पर काबू नहीं पाया गया तो यह अन्य लोगों में भी फैल सकता है।

पहुंच से दूर हुआ आम और टमाटर, गर्मी से यूपी में बेकार हुआ 80 फीसदी आम, टमाटर भी चौपट हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी की पहुंच से टमाटर और आम भी दूर होता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में इनकी कीमत 100 रुपये के पार पहुंच गई है। समय से पहले गर्मी और लू जारी रहने से टमाटर और आम की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। देश में आम के सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में 80 फीसदी पैदावार प्रभावित हुई है। सप्लाई में कमी के कारण आम और टमाटर की कीमत में भारी उछाल आया है।

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में टमाटर 120 रुपए किलो बिक रहा है। कम उत्पादन के कारण इस बार आम का निर्यात भी प्रभावित होने की आशंका है। देश में आम का सबसे अधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है, लेकिन इस बार उत्पादन दो दशक में सबसे कम रहने की आशंका है। लू के कारण 80 फीसदी फसल खराब हो गई है।

अधिकांश उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में आम की कीमत 100 रुपये किलो के पार चली गई है। कम उत्पादन के कारण आम का निर्यात भी प्रभावित होगा। वेजिटेबल ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट श्रीराम गढवे ने कहा कि टमाटर की कीमतों में हाल फिलहाल कमी आने की उम्मीद नहीं है। जुलाई में जाकर इसमें कुछ नरमी आ सकती है जब नई फसल आएगी।

देश में टमाटर की बढ़ती कीमत से सरकार की परेशानी बढ़ सकती हैं, क्योंकि इसका घर-घर में इस्तेमाल होता है। सरकार खाने पीने की चीजों की महंगाई को रोकने के लिए हरसंभव उपाय कर रही है। अप्रैल में महंगाई 8.38 फीसदी पर पहुंच गई जो इसका 17 महीने का उच्चतम स्तर है। खासकर खाने पीने की चीजें महंगी होने के कारण महंगाई बढ़ी है। गढवे ने कहा क्लाइमेट कंडीशन में बदलाव के कारण टमाटर की फसल पर कीड़ों का हमला हुआ। इस कारण सप्लाई में काफी गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि पहले एक एकड़ में 10 टन टमाटर की फसल होती थी, जो अब घटकर तीन टन रह गई है, लेकिन लू के कारण टमाटर के फूल मुरझा रहे हैं और इससे भी उत्पादन प्रभावित हो रहा है। देश में हर साल 2.1 से 2.3 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन होता है। टमाटर की फसल गर्मी से बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसी तरह समय से पहले गर्मी शुरू होने और लू जारी रहने से आम की फसल पर भी असर पड़ा है। मैंगो ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट एस इन्सराम अली ने कहा कि लू के कारण आम की बौर पर असर पड़ा। आम के लिए 27 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान सबसे अच्छा रहता है। उत्तर प्रदेश में सालाना 45 लाख टन आम की पैदावार होती है। इस बार पैदावार में गिरावट के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रॉडक्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुताबिक देश की कुल आम उत्पादन में उत्तर प्रदेश का हिस्सा 23.47 फीसदी है।

आंध्र प्रदेश के एक किसान ने कहा कि लू और समय से पहले गर्मी पड़ने के कारण राज्य में भी आम का उत्पादन प्रभावित हुआ है। कम उत्पादन के कारण आम के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। राज्य से यूएई, ओमान, कतर और कुवैत को आम का निर्यात होता है। अली ने कहा कि हमें लगता है कि इस बार शायद ही आम का निर्यात होगा। जो भी फसल बची है, वह देश में ही खप जाएगी।

एक न्यूक्लियर बम मार सकता है करोड़ों लोगों को

- पिघल जाती है खाल और भाप बन जाता है शरीर

वाशिंगटन (ईएमएस)। क्या आपको पता है कि आखिर न्यूक्लियर बम से दुनिया इतना क्यों डरती है। एक न्यूक्लियर बम किसी भी शहर को पूरी तरह तबाह कर सकता है। वहां रहने वाले सभी लोगों को मारने के लिए एक न्यूक्लियर बम पर्याप्त है। यानी एक बम करोड़ों लोगों को मार सकता है। वहीं अगर रूस और अमेरिका के बीच न्यूक्लियर युद्ध हो जाए तो मान लीजिए कि कई करोड़ लोगों की जान जाएगी। न्यूक्लियर बम के फटने से बहुत बड़ी मात्रा में गर्मी और रेडिएशन निकलता है। न्यूक्लियर बम के फटने के सिर्फ 10 सेकंड में ही ये आग का गोला बन जाता है। फटने के बाद आसमान से दूर रेडियोएक्टिव कचरा गिरता है जो आसपास के इलाकों में रेडिएशन फैलाता है।जब न्यूक्लियर बम फटता है तो उसके आसपास मौजूद लोगों को भागने का मौका भी नहीं मिलता।

बम फटने के 10 सेकंड के अंदर ग्राउंड जीरो पर मौजूद लोग भाप बन कर उड़ जाएंगे। बम फटने के बाद कई सौ किलोमीटर की रफ्तार से चलने वाली शॉकवेव निकलेगी जो रास्ते में आने वाली हर चीज को तबाह कर देगी। बम अपने दो किलोमीटर की परिधि की हर बिल्डिंग को गिरा देगा। सिर्फ वही इमारतें बचेंगी जो बेहद मजबूत होंगी। जो इसकी चपेट में सीधे नहीं आए उन्हें फेफड़े की समस्या, कान के पर्दे फटना या अंदरूनी चोट होती है। इसके अलावा लोगों को बिल्डिंग गिरने, पत्थर ये शीशों के उड़ने से चोट लगेगी। बम से निकलने वाली गर्मी से हवा गर्म हो जाएगी, जिससे हर चीज आग पकड़ लेगी। वहीं, लोगों की खाल बुरी तरह जल जाएगी।

इस दौरान सबसे बुरी बात ये रहेगी कि लोग चाहेंगे कि स्वास्थ्य सुविधा उन्हें मिले लेकिन इतने बड़े हमले में अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाएं भी खत्म हो गई होगी। इसी लिए दुनिया चाहती है कि कभी न्यूक्लिर वार न हो। अब तो आपके समझ में आ गया होगा कि जब भी दो न्यूक्लियर क्षमता वाले देशों में युद्ध या तनाव होता है तो पूरी दुनिया परमाणु बमों से डर जाती है। पूरी दुनिया को इस बात कर डर होता है कि कोई भी देश गलती से न्यूक्लियर मिसाइल न फायर कर दे।

10 अरब साल में दोगुना हो जाएगा ब्रह्मांड का आकार

- हबल स्पेस टेलीस्कोप ने की एक नई भविष्यवाणी

वाशिंगटन (ईएमएस)। हबल स्पेस टेलीस्कोप ने एक नई भविष्यवाणी की है, जिसके अनुसार अगले 10 अरब साल में ब्रह्मांड का आकार दोगुना हो जाएगा।नवीनतम भविष्यवाणी को सबसे सटीक कहा जा रहा है।खगोलविदों ने विस्तार दर को केवल 1 प्रतिशत से अधिक की सटीकता तक सीमित कर दिया है। तीन दशकों के सावधानीपूर्वक अवलोकन और डेटा एकत्र करने के बाद खगोलविदों की कई टीमों द्वारा विश्लेषण के बाद यह भविष्यवाणी की गई है।नासा के हबल स्पेस टेलीस्कॉप से ली गई इन 36 छवियों में वे आकाशगंगाएं हैं जो सेफिड वेरिएवल और सुपरनोवा के लिए हैं।ये दो खगोलीय घटनाएं खगोलविदों द्वारा खगोलीय दूरी निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण उपकरण हैं।एडविन हबल ने अपनी खोज में पाया था कि हमारी आकाशगंगा स्थिर नहीं है।उन्होंने कहा था कि मिल्की वे के बाहर कई आकाशगंगाएं हैं, और वह हमसे दूर जारी हुई प्रतीत होती है।

उन्होंने अपनी खोज में अंतरिक्ष के विस्तार दर को निकाला था, जिसे 'हबल स्थिरांक' कहा जाता है।खगोलविद इसे माप की एक इकाई के रूप में इस्तेमाल करते हैं, जो यह बताता है कि बिग बैंग के बाद ब्रह्मांड और बड़ा हो रहा है। जब 1990 में हबल स्पेस टेलीस्कोप लॉन्च किया गया था तब ब्रह्मांड की विस्तार दर के बारे में वैज्ञानिक अनिश्चित थे।खगोलविदों का अनुमान था कि इसकी आयु केवल 8 बिलियन वर्ष या 20 बिलियन वर्ष जितनी बड़ी हो सकती है।हबल वास्तव में जो देखता है, उससे ब्रह्मांड की विस्तार दर धीमी होने की भविष्यवाणी की गई थी।नासा के हबल स्पेस टेलीस्कॉप से ली गई इन 36 छवियों में वे आकाशगंगाएं हैं जो सेफिड वेरिएवल और सुपरनोवा के लिए हैं।ये दो खगोलीय घटनाएं खगोलविदों द्वारा खगोलीय दूरी निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण उपकरण हैं.नासा की यह भविष्यवाणी, द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल के विशेष अंक में प्रकाशित होगी।नासा का कहना है कि हबल के बड़े नमूने के आकार को देखते हुए, ऐसी बेहद कम संभावना है कि खगोलविदों की भविष्यवाणी गलत साबित होगी।

स्पेस टेलीस्कोप साइंस इंस्टीटयूट (एसटीएससीआई) के नोबेल पुरस्कार विजेता एडम रीस और जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने डार्क एनर्जी के समीकरण के लिए एसएचईएस या सुपरनोवा, एच नामक ब्रह्मांड की विस्तार दर की जांच करने वाली टीम का नेतृत्व किया था। बता दें कि जब से इंसानों ने तारों को देखना शुरू किया है, सबसे बड़ा सवाल यह है कि ब्रह्मांड कितना बड़ा है।यह एडविन हबल थे, जिन्होंने 1920 के दशक में दुनिया को बताया था कि ब्रह्मांड स्थिर नहीं है।इसका लगातार विस्तार हो रहा है।

जब गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब भारत सरकार में कोई मेरी बात नहीं सुनता था :पीएम मोदी

- दुनिया के पहले नेनो यूरिया लिक्विड प्लांट का शुभारंभ, आधा लीटर यूरिया एक बोरी की जरूरत पूरा करेगी

- महात्मा मंदिर में भारत का पहला सहकारिता क्षेत्र का पहला महासम्मेलन-''सहकार से समृद्धि''

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सहकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तब भारत सरकार को राज्य की समस्याओं को लेकर कई चिठ्ठियां लिखता था, लेकिन मेरी कोई सुनता नहीं थी। उन्होंने कहा कि उस वक्त सहकारिता क्षेत्र पर भी आयकर लगता था और इसे हटाने के लिए केन्द्र सरकार को कई बार पत्र लिखी। लेकिन केन्द्र सरकार ने सहकारिता क्षेत्र से आयकर खत्म नहीं किया। केन्द्र में सत्ता पाने के बाद हमने सहकारिता क्षेत्र को आयकर मुक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि सहकार गांवों के आत्मनिर्भर का माध्यम है और वही आत्मनिर्भर भारत की ऊर्जा हैं। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए गांवों का आत्मनिर्भर होना जरूरी हैं। उसके लिए गांधी और सरदार ने जो दिशा बताई थी, उसी पर हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के 6 गांवों को चुना गया है, जहां संपूर्ण रूप से सहकारी व्यवस्था लागू की जाएगी। आज आत्मनिर्भर खेती के लिए देश के पहले नेनो यूरिया प्लांट का लोकार्पण करते हुए विशेष आनंद की अनुभूति करता हूँ। पीएम मोदी ने कहा कि एक बोरी यूरिया की क्षमता अब एक बोतल में आ गई हैं। नेनो यूरिया की आधा लीटर की बोतल किसान की एक बोरी यूरिया की जरूरत को पूरा करेगी। पीएम मोदी ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर से ही कलोल स्थित इफ्को प्लांट का डिजिटल लोचिंग करते हुए कहा कि इस मौके पर देशभर से जुड़े लाखों किसानों का मैं आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि कलोल स्थित प्लांट की उत्पादन क्षमता डेढ़ लाख बोतल है और आगामी समय में देश में ऐसे 8 प्लांट की स्थापना की जाएगी। ताकि विदेश से यूरिया की निर्भरता कम होगी और देश का पैसा बचेगा। मुझे आशा है कि यह शोध केवल नेनो यूरिया तक सीमित नहीं रहेगी। पीएम मोदी ने कहा कि खाद के उपयोग में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है और उत्पादन में तीसरे क्रम पर हैं। 8 साल पहले तक बड़े पैमाने पर खाद खेतों में जाने के बजाए कालाबाजारी का शिकार होती थी। अपनी जरूरतों के लिए किसानों को लाठियां खानी पड़ती थी। देश में यूरिया की जो बड़ी फैक्ट्री थी वह भी नई तकनीकि के अभाव में बंद हो गई थी। केन्द्र की सत्ता में आने के बाद हमने यूरिया की 10 नीम कोटिंग बीडा उठाया, जिसकी वजह से किसानों को पर्याप्त यूरिया मिलने लगी। साथ ही पांच राज्यों में बंद पड़े खाद के कारखाने भी शुरू किए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत की चौथी हिस्से की खाद आयात करता है, परंतु पोटाश और फोस्फेट 100 प्रतिशत आयात करनी पड़ती हैं। कोरोना और लॉकडाउन के कारण अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में खाद की कीमतें बढ़ गई हैं और बाद में युद्ध भी छिड़ गया हैं। इस कारण वैश्विक मार्केट में कीमतें बढ़ी हैं। लेकिन हमारी सरकार ने निश्चय किया है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद किसानों पर इसका असर नहीं होने देंगे। कितनी भी बड़ी चुनौती आ जाए देश में खाद का संकट पैदा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि भारत विदेशों से 50 किलो की बोरी 3500 रुपए में आयात कर किसानों को 300 रुपए में मुहैया कराता हैं। अर्थात यूरिया पर सरकार 3200 रुपए का खर्च स्वयं वहन करती हैं। इसी प्रकार डीएपी की 50 किलो की बोरी पर हमारी सरकार रु. 2500 का खर्च वहन करती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी जैसी परिस्थिति भविष्य में ना हो इसके लिए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया जा रहा हैं। खाद्य तेल की समस्या से निपटने की दिशा में भी काम किया जा रहा हैं। बायो फ्युअल और ग्रीन हाइड्रोजन पर भी प्रयास किया जा रहा हैं। इसी प्रकार प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने का अभियान चलाया जा रहा हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गुजरात के किसानों का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं जो प्रगतिशील और साहसी हैं। प्राकृतिक कृषि के प्रति अब गुजरात के छोटे किसान भी रुख कर रहे हैं। लाखों की संख्या में गुजरात के किसान अब प्राकृतिक कृषि को अपना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जिसमें गुजरात को बड़ा हिस्सा है और इसकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवसाय ज्यादातर माताएं और बहनें संभालती हैं। भारत में एक साल में 8 लाख करोड़ रुपए का दूध उत्पादन होता हैं। मैं किसी की आलोचना नहीं बल्कि याद कराता हूं कि एक समय था जब गुजरात में डेयरी बनाने पर प्रतिबंद था। अब चारों दिशा में डेयरी का विकास हो रहा हैं। सहकारी संस्थाओं ने गुजरात में महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बड़े नतीजे दिए हैं। लिज्जत पापड़ दुनियाभर में एक बड़ी ब्रांड बन गया हैं। हमारी सरकार ने लिज्जत पापड की माता को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया हैं। उन्होंने कहा कि अमूल के साथ लिज्जत भी एक ब्रांड बन गया हैं। हम सबका प्रयास, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास मंत्र का अनुकरण करते हैं। इसी उद्देश्य के साथ केन्द्र में सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया गया है और देश में सहकारिता आधारित आर्थिक मॉडल को प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। सहकारी समितियों को बाजार में स्पर्धात्मक बनाना ही हमारा प्रयास हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी ताकत विश्वास और सहकार हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल में हम छोटे व्यापारियों को मजबूत बना रहे हैं। छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को भी समान अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

पीएम मोदी के सिद्धांतों का अनुकरण कर गुजरात सरकार ने बहुमुखी विकास की पगडंडी बनाई है :मुख्यमंत्री

राजकोट (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जन-जन की सरकार के प्रणेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सफल शासन के 8 वर्ष पूर्ण करने पर बधाई देते हुए कहा कि आज राजकोट ज़िले के आटकोट गांव में आनंद का अवसर है। के.डी. परवाडिया हॉस्पिटल गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य की अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने जा रहा है। सुशासन के सिद्धांतों का अनुकरण करते हुए गुजरात सरकार ने बहुमुखी विकास की राह बनाई है। पहले स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, लेकिन अब सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ होने लगी हैं। भूपेन्द्र पटेल राजकोट के आटकोट में केडी परवाडिया हॉस्पिटल के लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केडी परवाडिया हॉस्पिटल का लोकार्पण किया हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गरीब और मध्यम वर्गों के लोगों के लिए के.डी. परवाडिया हॉस्पिटल वरदान साबित होगा। गंभीर बीमारी के आने पर ग़रीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की वर्षों की बचत हॉस्पिटल के खर्चों में ही स्वाहा हो जाती है। ऐसे में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाय) ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य का सुरक्षा कवच प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में लगभग 2 करोड़ 25 लाख लोग पीएमजेएवाय योजना का लाभ उठा रहे हैं। इसी तरह हमारे बेटे-बेटियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर न जाना पड़े; इसके लिए एमबीबीएस की 1700 और परास्नातक (पीजी) की 2000 सीटें सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा भविष्य में 8 नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया। हॉस्पिटल के प्रबंध न्यासी भरत बोघरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। भरत बोघरा ने स्वागत भाषण में हॉस्पिटल निर्माण की पृष्ठभूमि और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर दो लाख से अधिक लोगों का जनसमूह प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में उत्साह के साथ शामिल हुआ। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुखभाई मांडविया, केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री महेन्द्रभाई मुंजपरा, केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसदगण, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष भूपतभाई बोदर, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला, मुख्य सचिव पंकज कुमार, जिला कलेक्टर अरुण महेश बाबू, जिला विकास अधिकारी देव चौधरी, प्रांत अधिकारी के. टी. बाटी, रेंज आईजी संदीप सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक जयपालसिंह राठोड़, पटेल सेवा समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबूभाई असलालिया, न्यासी परेशभाई गजेरा और विभिन्न संप्रदायों के संत-महंत उपस्थित थे।

सरकार के प्रयासों के साथ जनता के प्रयास जुड़ने से सेवा करने की शक्ति बढ़ जाती है : मोदी

- प्रधानमंत्री ने राजकोट जिले के आटकोट में के. पी. डी. मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण किया

राजकोट (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार के प्रयासों के साथ जनता के प्रयास जुड़ने से सेवा करने की शक्ति बढ़ जाती है। के. पी. डी. मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल इसका एक उत्तम उदाहरण है। वर्तमान सरकार ने गरीबों की सेवा कर उनका सशक्तिकरण करने की विशिष्ट परिपाटी स्थापित की है। पीएम मोदी ने शनिवार को राजकोट जिले के आटकोट में 200 बेड की सुविधा वाले के. डी. परवाडिया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''सरकार का ऐसे स्वास्थ्यप्रद वातावरण का निर्माण करने का लक्ष्य है, जिसमें अस्पताल खाली रहें। इस सरकार ने गरीब की सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के कार्य को प्राथमिकता दी है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' मंत्र पर चल कर सरकार ने देश के विकास को नई गति दी है।'' उन्होंने कहा कि भारत में समग्र अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की कुल जनसंख्या से अधिक नागरिक आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार पा रहे हैं, जो भारत की सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है। केन्द्र सरकार के सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती ने उन्हें लोककल्याण के कार्य करने की नीति-रीति सिखाई है। ये महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की पवित्र भूमि के ही संस्कार हैं, जिसके फलस्वरूप उन्होंने पिछले 8 वर्षों में भूल से भी ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे आपको या देश के किसी भी नागरिक को नीचा देखना पड़े। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2001 में समग्र गुजरात मे मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में कुल 1100 सीटें थीं, जो वर्ष 2022 में बढ़ कर 8000 हुई हैं। मोदी ने सुनिश्चित किया कि राज्य भर में सरकारी व निजी सहित कुल 30 मेडिकल कॉलेज कार्यरत् हैं और राज्य सरकार का राज्य के हर ज़िले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का संकल्प है। उन्होंने गौरव के साथ कहा कि 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' ने समग्र विश्व में सबसे ऊँची प्रतिमा के रूप में स्थान प्राप्त किया है, जो समग्र राज्य के लिए गौरव की बात है। गुजरात ने इतना बड़ा काम इतनी तेज़ी से पूर्ण कर अपनी शक्ति स्थापित की है। उन्होंने गुजरात की औद्योगिक प्रगति की झाँकी कराते हुए कहा कि समग्र गुजरात में विकसित मध्यम-सूक्ष्म-लघु उद्योग ही गुजरात की सच्ची शक्ति एवं विशिष्ट पहचान हैं। वडोदरा से वापी तक के पूर्ववर्ती औद्योगिक विकास के स्थान पर आज समग्र राज्य में औद्योगिक विकास फैला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी अंतरढाँचागत सुविधाओं के जरिये उद्योगों के विकास के लिए पर्याप्त रूप से प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि मोरबी का सेनेटरी उद्योग, जामनगर का ब्रास पार्ट उद्योग तथा राजकोट का ऑइल इंजन उद्योग विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। तदुपरांत नई फार्मा कंपनियाँ गुजरात में अपनी इकाइयाँ स्थापित कर रही हैं, जिससे गुजरात सभी क्षेत्रों में तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने नए लागू किए गए नियम की जानकारी देते हुए कहा कि अब मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने वाला विद्यार्थी भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेगा, जिससे समग्र राज्य में उच्च शिक्षा की दर बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरकार ने इस बात का ध्यान रखा है कि देश के ग़रीब-मध्यम वर्ग के लोगों को कठिन स्थिति का सामना न करना पड़े। भाजपा सरकार प्रत्येक नागरिक को योजना का 100 प्रतिशत लाभ पहुँचाने का अभियान चला रही है। जब अंतिम छोर के मानव तक योजना पहुँचाने का लक्ष्य हो, तब भेदभाव, भ्रष्टाचार या परिवारवाद के लिए कोई स्थान नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि समग्र राज्य में बनाए गए सिक्स लेन राजमार्गों से गुजरात के बंदरगाहों की शक्ति बढ़ी है। आज घोघा-दहेज रो-रो फेरी सर्विस साकार हुई है, जिससे सूरत-सौराष्ट्र के बीच 300 से अधिक किलोमीट की दूरी मिनटों में तय की जा सकती है। प्रधानमंत्री के करकमलों से लोकार्पित हुए श्री के.डी. परवाडिया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में गायनेक, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, पीडियाट्रिक, मेडिसिन, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, डेंटल और फिजियोथैरेपी विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की फ़ुलटाइम सेवा उपलब्ध होगी। वहीं, नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, रूमेटोलॉजी, यूरोलॉजी, गेस्ट्रो सर्जरी, गैस्ट्रोलॉजी, ओंकोलॉजी और क्रिटिकल केयर जैसे विभागों में सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों की विज़िटिंग डॉक्टर के रूप में सेवाएँ उपलब्ध होंगी। गंभीर और बड़ी बीमारियों के निदान और उपचार के लिए अब बड़े शहरों में जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर ही रियायदी दरों पर स्वास्थ्य संबंधी सभी सेवाएँ मिल सकेंगी, जिससे लोगों के समय और पैसों की बचत होगी।

घटनास्थल पर पहुंची हुई पुलिस पर हमला

डीसा के कूंपट गांव में बारात निकालने के मामले में दो गुट के बीच बवाल

शादी में पलावी ठाकोर के लोगों ने बारात निकालने से मना किया था फिर भी युवक ने बारात निकालने पर दो गुट के बीच बवाल हुई थी

बनासकांठा, २८ मई ।

बनासकांठा के डीसा के कूंपट गांव में बारात निकालने के मामले में दो गुट के बीच बवाल होने पर बवाल होने को लेकर बंदोबस्त के लिए पहुंची हुई पुलिस पर भीड़ ने पत्थरबाजी करने पर पुलिस की गाड़ी के शीशे टूट गये थे ।

इसके अलावा तीन पुलिसकर्मी को चोटें लगने पर उपचार के लिए डीसा की सरकारी और निजी अस्पताल में भेजा गया । दूसरी तरफ डीसा पुलिस ने हमला करने वाले कई लोगों को हिरासत में लिया है । अन्य फरार रहे लोगों को भी खोजबीन शुरू कर दी है । इस दौरान गांव में कोई घटना नहीं हो इसके लिए सख्त बंदोबस्त किया गया है । पुलिस पर हमले की घटना के बाद उच्च पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये । मिली जानकारी के अनुसार बनासकांठा जिले के डीसा तहसील के कूंपट गांव में डीसा तहसील पुलिस पर हमला हुए होने की घटना हुई है । कूंपट गांव में ठाकोर समाज के युवक की शादी थी । शादी में पलावी ठाकोर के लोगों ने बारात निकालने से मना किया था फिर भी युवक ने बारात निकालने पर दो गुट के बीच बवाल हुई थी । घटना की वजह से डीसा तहसील पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी और दोनों गुटों को समझाने का प्रयास किया गया था । हालांकि, उस समय में पालवी ठाकोर समाज के भीड़ ने अचानक पत्थरबाजी करके हमला किया था । जिसमें पुलिस की गाड़ियों के शीशे टूट गये थे और १५ लोग घायल हुए थे । यह हमले में बंदोबस्त के लिए आये दांतीवाडा पीएसआई और दो पुलिस कॉन्स्टेबल सहित तीन पुलिसकर्मी को चोटें आई थी । घायल पुलिस कर्मचारियों को और घायलों को तुरंत डीसा की सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया । हमले की जानकारी मिलने पर जिला पुलिस प्रमुख सहित पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया था ।

केन्द्रीय गृह मंत्री आज गुजरात में विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज शाम गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकारिता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा किया। एक दिवसीय गुजरात दौरे के बाद पीएम मोदी दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। जबकि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को गुजरात में विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। जानकारी के मुताबिक अमित शाह रविवार की सुबह 10 बजे पंचमहल जिले के गोधरा में पीडीसी बैंक के मुख्यालय के नए भवन और मोबाइल एटीएम का उदघाटन करेंगे। ऑक्सिजन प्लांट के साथ ही विभिन्न राज्य स्थित पंचामृत डेयरी प्लांट का वर्च्युअली उदघाटन और शिलान्यास करेंगे। रविवार दोपहर 12 बजे खेडा जिले के नडियाद में गुजरात पुलिस आवास निगम द्वारा रु. 347 करोड़ की लागत से नवनिर्मित आवासी और गैर आवासीय पुलिस भवनों का लोकार्पण करेंगे। पुलिस आवास निगम द्वारा राज्य के 25 जिलों में आवासी और गैर आवासीय भवनों का निर्माण किया गया हैं। खेडा जिले को छोड़ अन्य सभी जिलों के नवनिर्मित भवनों का अमित शाह नडियाद से ई लोकार्पण करेंगे। इसके ले संबंधित जिला मुख्यालयों पर लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें संबंधित जिला के प्रभारी मंत्री और स्थानीय नेताओं समेत अधिकारी व पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। रविवार को शाम 5 बजे केन्द्रीय मंत्री अमित शाह अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर के अंतर्गत आनेवाले अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में रु. 632 करोड़ की लागत से आकार लेने वाले वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास करेंगे।

गुजरात सहकारिता आंदोलन का सफल मॉडल माना जाता है : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गांधीनगर (ईएमएस) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकारिता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात सहकारिता आंदोलन का सफल मॉडल माना जाता हैं। भारत सरकार के पहले सहकारिता मंत्रालय के गठन का कदम आनेवाले सौ साल तक सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और प्राण फूंकने वाला हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 'सहकार से समृद्धि' सम्मेलन को संबोधित और इफ़्को की कलोल इकाई में विश्व के पहले 'नैनो यूरिया (तरल) संयंत्र' का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह,केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देश में लंबे समय से सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों की एक मांग थी कि केन्द्र सरकार में सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक क्रांतिकारी क़दम उठाते हुए पहले सहकारिता मंत्रालय की रचना की। ये क़दम आने वाले सौ साल तक सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और प्राण फूंकने वाला है। मंत्रालय बनने के साथ ही इस साल के बजट में कई क़दम उठाए गए। देश की सहकारी चीनी मिलों की कई सालों से एक समस्या थी कि ज़्यादा मुनाफ़ा किसानों को अंतरित करने पर कर लगता था। इस बजट में मोदी जी ने उस व्यवस्था को समाप्त कर किसानों को 8,000 करोड़ रूपए से ज़्यादा का फ़ायदा पहुँचाया है। इसके अलावा सहकारिता की सभी इकाईयों पर लगने वाले सरचार्ज को 12 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया। क्रेडिट गारंटी फ़ंड ट्रस्ट के तहत सहकारी बैंकों को मान्यता नहीं थी, लेकिन भारत सरकार ने ये निर्णय लिया कि क्रेडिट गारंटी फ़ंड की जितनी भी योजनाएं हैं उन्हें सहकारी बैंकों के माध्यम से भी नीचे तक पहुंचाया जा सकेगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत सरकार और नाबार्ड मिलकर देशभर के 65,000 से ज़्यादा पैक्स (ईंएए) के कम्प्यूटराईज़ेशन का काम करने वाले हैं। नई सहकार नीति बनाने के लिए भी भारत सरकार ने सुझाव मांगे हैं और सरकार पैक्स को बहुद्देशीय बनाने के लिए भी काम कर रही है। सहकारिता की सभी इकाईयों का एक बहुत बड़ा डेटा बैंक भी भारत सरकार बनाने जा रही है। ऑर्गेनिक कृषि उत्पादों की मार्केटिंग के लिए वर्तमान में कोई व्यवस्था नहीं है, लेकिन भारत सरकार ने अमूल के तत्वाधान में एक पहल की है। उन्होने कहा कि सरकार मल्टी स्टेट कॉपरेटिव सोसाइटी एक्ट में भी सुधार करने जा रही है। नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सहकारिता मंत्रालय बनाने के बाद इस नई शुरूआत से जो बदलाव आएगा उससे हमारी भर्ती, ख़रीद और ऑडिट सिस्टम आदि में भी पारदर्शिता आएगी। इससे देश की जनता में सहकारिता आंदोलन की विश्वसनीयता बढ़ेगी और सहकारिता आंदोलन एक नए प्राण लेकर मोदी जी के 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के स्वप्न को साकार करने में योगदान देने के लिए तैयार होगा। अमित शाह ने कहा कि आज शुरू हो रहे नैनो यूरिया तरल फॉर्म के बहुत सारे फायदे हैं। इससे हमारी भूमि, पानी और हवा प्रदूषित नहीं होगी, किसानों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा और इसे साथ ले जाना बहुत आसान होगा जिससे किसी प्रकार के ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत भी नहीं होगी और बहुत सारा श्रम भी बचेगा। उन्होने कहा कि गुजरात का सहकारिता आंदोलन देशभर में सहकारिता के लिए सफल मॉडल माना जाता है और गुजरात ने सहकारिता की आत्मा को बचाए रखने का काम किया है। देश में बहुत कम राज्य ऐसे हैं जहां पैक्स से लेकर ऐपैक्स तक सहकारिता अच्छे तरीक़े, सिद्धांतो के अनुरूप और पारदर्शिता के साथ चलती हो, उनमें गुजरात शामिल है। आज़ादी के समय से स्वदेशी और स्वावलंबन के दो स्तंभों के आधार पर सरदार पटेल और मोरारजी देसाई ने गांधीजी के नेतृत्व में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत की और बाद में त्रिभुवनदास पटेल और बैकुंठभाई मेहता से लेकर अनेक कार्यकर्ता इसके साथ जुड़ते गए। उन्होंने पूरा जीवन सहकारिता को मज़बूत बनाने में लगा दिया और उनके द्वारा बोया गया वो बीज आज एक वटवृक्ष बनकर देश और दुनिया के सामने खड़ा है।

पीएम मोदी का राजकोट हवाई अड्डे पर गुजरात के मुख्यमंत्री और भाजपा प्रमुख ने किया स्वागत

राजकोट (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर राजकोट पहुँचे। राजकोट हवाई अड्डा पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, नवसारी के सांसद व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी. आर. पाटिल, मुख्य सचिव पंकज कुमार, राजकोट शहर पुलिस आयुक्त राजू भार्गव तथा अधिकारियों ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजकोट हवाई अड्डे से राजकोट के निकट आटकोट में नवनिर्मित अत्याधुनिक अस्पताल के लोकार्पण के लिए रवाना हो गए। मोदी गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित 'सहकार से समृद्धि' सम्मेलन में भी प्रेरणा-मार्गदर्शन देने के लिए उपस्थित रहने वाले हैं।

शहर के आनंदनगर सेल पेट्रोल पंप के पास इंडिगो फ्लाइट का सुरक्षा अधिकारी शराब सप्लाई करते हुए गिरफ्तार

अहमदाबाद, २८ मई ।

शहर के आनंदनगर सेल पेट्रोल पंप के पास से इंडिगो फ्लाइट में सुरक्षा अधिकारी के तौर पर कार्यरत एक युवक को जोन-७ के दस्ते ने शराब की तस्करी करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है । आरोपी इंडिगो फ्लाइट में काम करता था इसलिए वह गोवा जैसे राज्यों से शराब अहमदाबाद लाता था और शहर के सेटेलाइट, प्रहलादनगर, श्याम चार रास्ता और शिवरंज इलाके में बेच देता था । आरोपी ने कबूल किया है कि वह अहमदाबाद में शराब की कमी के चलते दोगुनी कीमत पर शराब बेच रहा था । अब पुलिस ने आरोपियों के पास से ४८ बीयर की बोतलें, मोबाइल और एक्टिवा जब्त कर आगे की कार्रवाई की है । अब रातोंरात करोड़पति बनने का सपना देखने की वजह से उसने यह शार्टकट अपनाया था । अब जोन-७ के डीसीपी दस्ते को सूचना दी गई की एक व्यक्ति एक्टिवा पर शराब की तस्करी कर रहा है, अब इसलिए पुलिस ने आनंदनगर चार रास्ते के पास सेल पेट्रोल पंप के निगरानी बढ़ा दी ।

अब इस दौरान पुलिस ने शंका के आधार पर एक आदमी को रोका उसका नाम पूछने पर उसने बताया कि उसका नाम चिराग उर्फ चीकू रमेशभाई परमार है । अब आरोपी प्रहलादनगर के राज अपार्टमेंट में रहता है । अब इस जांच में पुलिस को ४८ बीयर की टीन मिली । चिराग इंडिगो फ्लाइट में सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत है । अब इसके साथ ही पॉश इलाके में पिछले छह महीने से विदेशी शराब का धंधा चला रहा था । अब उसके पास से जब्त बीयर को वह गोवा से लाया था । जिन राज्यों में शराबबंदी कानून लागू नहीं है अब वहां से वह शराब लाकर अहमदाबाद में दोगुने दाम पर बेचता था । आनंदनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है ।

पीएम मोदी ने राजकोट के आटकोट में मल्टीस्पेशियालिटी होस्पिटल का किया लोकार्पण

राजकोट (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राजकोट के आटकोट में नवनिर्मित केडी परवाडिया मल्टीस्पेशियालिटी होस्पिटल का लोकार्पण किया और उसके बाद अस्पताल का निरीक्षण भी किया। पीएम मोदी ने होस्पिटल के आईसीयू वार्ड समेत अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया और सभी के बारे में जानकारी हासिल की। इस दौरान पीएम मोदी का बच्चों से स्नेह दिखाई दिया। होस्पिटल में मौजूद एक बच्चे के कान ऐंठ कर पीएम मोदी ने उसके साथ मस्ती भी की। श्री पटेल सेवा समाज ट्रस्ट संचालित केडी परवाडिया मल्टीस्पेशियालिटी होस्पिटल रु. 40 करोड़ की लागत से तैयार हुआ हैं। 200 बेड वाले होस्पिटल में फाइवस्टार होस्पिटल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। जहां कैंसर समेत अन्य रोगों का राहत दर पर उपचार किया जाएगा। होस्पिटल में गायनेक, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, पीडियाट्रिक मेडिसीन सुविधाएं उपलब्ध हैं। नेफ्रोलोजी, कार्डियोलोजी, न्यूरोलोजी, न्यूरो सर्जरी, यूरोलोजी, गेस्ट्रो सर्जरी होगी। अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर, पेथोलोजी, डायालिसिस, एन्डोस्कोपी, फिजियोथेरापी इत्यादि की भी सुविधा उपलब्ध हैं। जनरल वार्ड में मरीजों से प्रति दिन रु. 150 शुल्क लिया जाएगा। रु. 150 के शुल्क में मरीजों को दिन में तीन बार भोजन दिया जाएगा। होस्पिटल में मां-अमृतम और आयुष्यमान कार्डधारकों को मुफ्त उपचार किया जाएगा।

रेलयात्रियों के लिए राहत की खबर, अहमदाबाद-मुंबई के बीच बंद 3 ट्रेनें फिर चलेंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने अहमदाबाद-मुंबई के बीच 3 ट्रेनें शुरू करने की घोषणा की हैं। मुंबई, अहमदाबाद, वलसाड, वडोदरा और सूरत-भुसावल के बीच ट्रेनें शुरू की जाएंगी। हांलाकि यह कोई नई ट्रेनें नहीं है बल्कि पहले भी चलती थीं। लेकिन कोरोनाकाल और बिजली संकट के चलते इन ट्रेनों को बंद कर दिया गया था। इन ट्रेनों के बंद होने से रोजाना मुसाफरी करने वाले यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब रेल मंत्रालय ने इन ट्रेनों को पुनः शुरू करने का ऐलान किया हैं। केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने ट्वीट कर यह जानकारी देते हुए कहा कि रोजोना यात्रा करनेवाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने ट्रेन संख्या 59049/50 वलसाड से वडोदरा, ट्रेन संख्या 59013/14 सूरत-भुसावल और ट्रेन नंबर 59349/50 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद को शुरू किया हैं। गौरतलब है कि देश में कोरोना ने आर्थिक रूप से कमर तोड़ दी थी। कई उद्योग-व्यवसायों के बंद होने से अनेक लोग बेरोजगार हो गए। हांलाकि कोरोना संक्रमण घटने से स्थिति पूर्ववत हो रही हैं। ऐसे में कोरोनाकाल के दौरान बंद की गई ट्रेनों को दोबारा शुरू करने से खासकर गुजरात और महाराष्ट्र के रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिली हैं।

अमित शाह ने द्वारकाधीश मंदिर गए और वहां पूजा-अर्चना की

तकनीक का इस्तेमाल कर 'तटीय सुरक्षा' को अभेद्य बनाने की दिशा में काम कर रही सरकार

द्वारका, २८ मई ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नई तकनीक का इस्तेमाल कर तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में सरकार काम कर रही है । शनिवार को यहां नेशनल एकेडमी आफ कोस्टल पुलिसिंग में अधिकारि यों के साथ बातचीत में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम तटीय सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए नई तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं । हम समुद्री खतरों से निपटने के लिए तटीय सुरक्षा की चुनौतियों का गंभीरता से आकलन कर रहे हैं ।

यह प्रशिक्षण संस्थान यहां ओखा के निकट स्थापित है और इसका संचालन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करता है । २०१८ में स्थापित यह संस्थान देश का पहला पुलिस प्रशिक्षण केंद्र है जहां तटीय सुरक्षा को ध्यान में रखकर अर्धसैन्य बलों को ट्रेनिंग दी जाती है । गुजरात में बीएसएफ के महानिरीक्षक जीएस मलिक ने गृह मंत्री को बताया कि गुजरात, महाराष्ट्र तथा चार केंद्र शासित प्रदेशों समेत नौ तटीय राज्यों के ४२७ कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है । इसके अलावा सीमा शुल्क, बीएसएफ एवं सीआइएसएफ के अधिकारियों को भी गत छह में ट्रेनिंग दी गई है ।

दो दिन के गुजरात दौरे पर आए शाह यहां के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर गए और वहां पूजा-अर्चना की । गृह मंत्री ने ट्वीट किया, द्वारका की पवित्रभूमि पर स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन कर राष्ट्र की उन्नति व प्रगति के लिए प्रार्थना की ।

बच्चा उठाने वाली गैंग का सदस्य मानकर लोगों ने ड्राइवर को पीटा

अहमदाबाद, २८ मई ।

शहर के थलतेत क्षेत्र में रहता एक ड्राइवर शुक्रवार को बड़ी मुश्किल में आया था खेडा निकट स्थित एक गांव के लोगों ने उसे बच्चा उठाने वाली गैंग का सदस्य मान लिया था और उस पर हमला किया था । यदि पुलिस द्वारा बचाव नहीं किया गया होता तो बच्चा उठाने की यह अफवाह ड्राइवर के लिए जानलेवा साबित हो सकती थी । ३० वर्षीय बीपिन प्रजापति थलतेज में रहता है । रविवार को सुबह में उनको एयरपोर्ट से महेमदाबाद के एक गांव की ट्रीप मिली थी । वह कार चला रहा था लेकिन वह नशे में भी था । खेडा तहसील में स्थित महेमदाबाद के सरसवणी गांव के पास बीपिन प्रजापति ने पुलिस और लोगों को इकट्ठा हुए देखा ।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95